Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25

www.dainikvishwapariwar.com

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 47 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, बुधवार 19 अगस्त 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

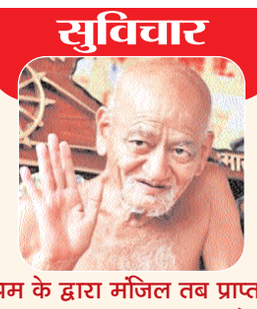

परिश्रम के द्वारा मंजिल तब प्राप्त होती है, जब अपना ध्यान मजबूत होता है।

Hand work begets us the destination only when we have determined meditation.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

पीएम मोदी 17 सितंबर को करेंगे 'सेमीकॉन इंडिया' का उद्घाटन

सेमीकंडक्टर सेक्टर को मिलेगा बड़ा बूस्ट

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 सितंबर को राष्ट्रीय राजधानी में 'सेमीकॉन इंडिया 2026' के पांचवें संस्करण का उद्घाटन करेंगे। इससे भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को बड़ा बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। यह जानकारी मंगलवार को जारी आधिकारिक बयान में दी गई। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने बताया कि 'सिलिकॉन टू सिस्टम्स: बिल्डिंग द इकोसिस्टम' थीम पर आधारित तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस और प्रदर्शनी 17 से 19 सितंबर तक आयोजित होगी। इसका आयोजन मंत्रालय के तहत 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' और ग्लोबल इंडस्ट्री एसोसिएशन एसईएमआई संयुक्त रूप से कर रहे हैं।

कार्यक्रम में नीति-निर्माताओं, ग्लोबल सेमीकंडक्टर कंपनियों, इंडस्ट्री अधिकारियों, रिसर्चर्स, शिक्षाविदों, स्टार्ट-अप्स और छात्रों के शामिल होने की उम्मीद है। इस दौरान सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स वैल्यू चेन में हो रहे विकास पर चर्चा की जाएगी। केंद्र सरकार ने हाल ही में देश की सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई-चेन क्षमताओं को मजबूत करने के लिए 'सेमीकॉन 2.0' को मंजूरी दी है। सरकार के अनुसार, इसका उद्देश्य भारत में मजबूत और टिकाऊ सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम तैयार करना है। सरकार ने बताया कि वह 332 से ज्यादा शैक्षणिक संस्थानों और 105 स्टार्ट-अप्स को एडवांस्ड डिजाइन टूल्स उपलब्ध कराकर सेमीकंडक्टर रिसर्च, इनोवेशन और डिजाइन को बढ़ावा दे रही है। वहीं, डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव (डीएलआई) योजना के तहत 24 स्टार्ट-अप्स को मंजूरी दी गई है।

मंत्रालय के अनुसार, 'सेमीकॉन इंडिया प्रोग्राम' के तहत भारत के सेमीकंडक्टर से जुड़े लक्ष्यों को गति मिली है। घरेलू सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित करने के लिए 'सेमीकॉन 1.0' के तहत 12 प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस. कृष्णन ने कहा कि 2026 का संस्करण भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा के एक अहम पड़ाव पर आयोजित हो रहा है। उन्होंने बताया कि सेमीकॉन 1.0 के तहत मंजूर 12 प्रोजेक्ट्स में से तीन में कमर्शियल प्रोडक्शन शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा, छह मुख्य स्तंभों के साथ सेमीकॉन 2.0 की घोषणा एक मजबूत और टिकाऊ सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम बनाने के भारत के संकल्प को और मजबूत करती है।

एसईएमआई के अध्यक्ष और सीईओ अजीत मनोचा ने कहा कि भारत अपने टैलेंट पूल, पॉलिसी सपोर्ट और दीर्घकालिक विजन के जरिए ग्लोबल सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री में अपनी भूमिका बढ़ाने के लिए अच्छी स्थिति में है। एसईएमआई इंडिया और आईईएसए के अध्यक्ष अशोक चंडक ने कहा कि यह आयोजन व्यापक सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन बनाने की भारत की कोशिशों को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह इंडस्ट्री लीडर्स, नीति-निर्माताओं, इन्वेस्टर्स और रिसर्चर्स के बीच सहयोग के लिए अहम मंच बन गया है।

युवाओं की ऊर्जा और रचनात्मकता से बनेगा विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री साय

- माय भारत की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने पर दिया जोर

रायपुर (विश्व परिवार)। भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है और युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा, रचनात्मकता तथा नवाचार की क्षमता ही विकसित भारत के निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति है। विकसित भारत के साथ विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने के लिए युवाओं को उनकी रुचि और क्षमता के अनुरूप अवसर देकर राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से व्यापक रूप से जोड़ना होगा। युवाओं को सामाजिक एवं सामुदायिक गतिविधियों से जोड़ने से उनमें नेतृत्व क्षमता, सेवा भाव, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना मजबूत होगी।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित 'मेरा युवा भारत' (माय भारत) की प्रदेश स्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बैठक में माय भारत की गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा करते हुए प्रदेश के अधिक से अधिक युवाओं को इस मंच से जोड़ने और विभिन्न विभागों की गतिविधियों में उनकी सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का प्रत्येक युवा विकास की मुख्यधारा से जुड़े और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाए। इसी उद्देश्य से 'मेरा युवा भारत' जैसे व्यापक मंच की शुरुआत की गई है। प्रधानमंत्री युवाओं के विचारों, आकांक्षाओं और गतिविधियों में विशेष रुचि लेते हैं तथा युवा शक्ति को विकसित भारत के संकल्प का प्रमुख आधार मानते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज का युवा तकनीक और डिजिटल माध्यमों के जरिए पूरी दुनिया से जुड़ा हुआ है। उसकी सोच व्यापक है, उसमें नवाचार की क्षमता है और वह तेजी से बदलाव को आत्मसात कर सकता है। युवाओं की यही ऊर्जा सकारात्मक और राष्ट्रहित के कार्यों में लगे, इसके लिए उन्हें सही दिशा, अवसर और मंच उपलब्ध कराना आवश्यक है। आने वाले वर्षों में यही युवा देश और प्रदेश का नेतृत्व करेंगे, इसलिए उनमें नेतृत्व क्षमता विकसित करने और सामाजिक सरोकारों से जोड़ने के लिए अभी से सुनियोजित प्रयास किए जाने चाहिए।

फांसी सिस्टम खत्म करने की याचिका खारिज

- मौत के लिए जहरीले इंजेक्शन या गोली मारने जैसे तरीकों की मांग की गई थी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मौत की सजा देने के लिए फांसी की मौजूदा व्यवस्था खत्म करने की याचिका खारिज कर दी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि फिलहाल ऐसा कोई आधार नहीं है, जिसके कारण फांसी को असंवैधानिक घोषित किया जाए। याचिका में फांसी को क्रूर, अमानवीय और दर्दनाम बताया गया था। इसकी जगह जहरीले इंजेक्शन, गोली मारने जैसे चार वैकल्पिक तरीकों से मौत की सजा देने की मांग की गई थी। कोर्ट ने यह भी कहा कि याचिका खारिज करने का मतलब यह नहीं है कि भविष्य में संवैधानिक समीक्षा का रास्ता बंद हो गया है। अगर ठोस वैज्ञानिक, मेडिकल या अनुभवजन्य सबूत सामने आते हैं, तो इस मुद्दे की दोबारा जांच की जा सकती है।

कोर्ट ने कहा- केंद्र सरकार विशेषज्ञों की समिति बनाकर मौजूदा फांसी की व्यवस्था की व्यापक समीक्षा कर सकती है। समिति यह जांच सकती है कि क्या कोई वैकल्पिक तरीका अनावश्यक पीड़ा कम करने और दोषी की गरिमा बनाए रखने में बेहतर है। वरिष्ठ वकील ऋषि मल्होत्रा ने 2017 में यह याचिका दायर की थी। उन्होंने बताया था कि फांसी की प्रक्रिया में 40 मिनट से ज्यादा लग सकते हैं, जबकि गोली मारने में कुछ मिनट और जहरीले इंजेक्शन में करीब 5 मिनट लगने का दावा किया गया।

'ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब' बनाने के लिए भारी इंजीनियरिंग व पूंजीगत वस्तु क्षेत्र का सशक्तिकरण जरूरी: बृजमोहन

- छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास व स्थानीय युवाओं के कौशल उन्नयन पर जोर

नई दिल्ली। रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल मंगलवार को नई दिल्ली में आयोजित संसद की प्रतिष्ठित प्राक्कलन समिति (एस्टीमेट कमेटी) की महत्वपूर्ण बैठक में सम्मिलित हुए। बैठक का मुख्य विषय 'देश में भारी उपकरण उत्पादन क्षमता की समीक्षा' (Review of Heavy Equipment Manufacturing Capacity in the Country) था। बैठक में भारी उद्योग मंत्रालय और पूंजीगत वस्तु (कैपिटल गुड्स) क्षेत्र के समग्र विकास, उत्पादन क्षमता विस्तार तथा भविष्य की रणनीतियों पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

बैठक के दौरान सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' के विजन को धरातल पर उतारने में भारी इंजीनियरिंग और पूंजीगत वस्तु उद्योग की भूमिका रीढ़ की हड्डी के समान है। देश की जीडीपी में लगभग 1.9 प्रतिशत का प्रत्यक्ष योगदान देने वाला यह क्षेत्र अन्य सभी विनिर्माण उद्योगों (जैसे खनन, बिजली, निर्माण, ऑटोमोबाइल व रक्षा) को आवश्यक मशीनरी उपलब्ध कराकर औद्योगिक क्रांति को गति दे रहा है।

विनिर्माण और निर्यात में देश ने दर्ज की अभूतपूर्व वृद्धि

श्री अग्रवाल ने समिति के समक्ष प्रस्तुत आंकड़ों का उल्लेख करते हुए बताया कि पिछले 4 वर्षों में केंद्र सरकार की दूरदर्शी नीतियों के चलते भारी उपकरण क्षेत्र में ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की गई है।

रायपुर में पहली बार श्रमदान अपनापन हथकरघा वस्त्रों की त्रिदिवसीय प्रदर्शनी

रायपुर (विश्व परिवार)। चिंतामणि पार्श्वनाथ स्वामी के मोक्ष कल्याणक महामहोत्सव (मुकुट सप्तमी) एवं संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य तथा विद्याकुल शिरोमणि आचार्य श्री 108 समयसागर जी महाराज के आज्ञानुवर्ती शिष्य मुनि श्री 108 आगम सागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 पुनीत सागर जी महाराज के दीक्षा दिवस के शुभ अवसर पर रायपुर के इतिहास में पहली बार श्रमदान अपनापन हथकरघा वस्त्रों की त्रिदिवसीय प्रदर्शनी एवं चल विक्रय केंद्र का आयोजन किया जा रहा है।

यह आयोजन 18 अगस्त से 20 अगस्त 2026 तक मुख्य आयोजन स्थल लालगंगा पटवा भवन, टैगोर नगर, रायपुर में आयोजित होगा। प्रदर्शनी में हथकरघा से निर्मित 100 प्रतिशत कॉटन के आकर्षक एवं उपयोगी वस्त्र उपलब्ध रहेंगे।

प्रदर्शनी में विशेष रूप से बनारसी, माहेश्वरी सहित विभिन्न प्रकार की आकर्षक साड़ियां, जिनेन्द्र भगवान के अभिषेक-पूजन एवं मुनिराज को आहार देने के लिए शुद्ध

अहिंसक धोती-दुपट्टे, पानी का छन्ना, प्रक्षाल वस्त्र तथा आरामदायक एवं सुंदर बेडशीट सहित अनेक वस्तुएं उपलब्ध रहेंगी।

आयोजकों ने बताया कि इस प्रदर्शनी का उद्देश्य हथकरघा वस्त्रों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ अहिंसक एवं भारतीय परंपरा से जुड़े उपयोगी वस्त्रों को समाज तक पहुंचाना है। प्रदर्शनी में समाजजनों के लिए विभिन्न प्रकार के गुणवत्तापूर्ण वस्त्र एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगे।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी रिपोर्ट में चंपत-मिश्रा के नाम नहीं

अयोध्या। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की जांच के लिए यूपी सरकार की बनाई एसआईटी ने सोमवार रात फाइनल रिपोर्ट सौंप दी है। सूत्रों के मुताबिक, इसमें ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय और सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा का नाम नहीं है। बाकी 8 आरोपी पहले ही जेल में हैं। यूपी के गृह विभाग ने रिपोर्ट राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास को सौंपी है। इसे राम मंदिर ट्रस्ट की 2 सितंबर को होने वाली बैठक में रखा जाएगा। ट्रस्ट ने ही उत्तर प्रदेश सरकार से चढ़ावा चोरी की एसआईटी जांच का अनुरोध किया था। यूपी सरकार ने 13 जून को लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में 3 सदस्यों की एसआईटी बनाई थी। आईजी रेंज किरण एस और वित्त विभाग के विशेष सचिव नील रतन कुमार इसके सदस्य थे।

मुनि श्री आगम सागर जी एवं मुनि श्री पुनीत सागर जी महाराज का 23वां दीक्षा दिवस उल्लासपूर्वक मनाया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। टैगोर नगर स्थित पटवा भवन में सावन शुक्ल षष्ठी के शुभ अवसर पर मुनि श्री 108 आगम सागर जी महाराज एवं मुनि श्री पुनीत सागर जी महाराज के 23वें दीक्षा दिवस के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय धार्मिक आयोजन का आगाज हुआ।

तीन दिवसीय इस आयोजन के दौरान विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज प्रथम दिन मुनि द्वय का दीक्षा दवस मनाया गया इस कार्यक्रम के अंतर्गत सर्वप्रथम दिगंबर जैन समाज के विशिष्ट जनों द्वारा सर्वप्रथम आचार्य श्री विद्यासागर जी महराज, आचार्य समय सागर जी महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित किया गया, इसके पश्चात विशेष संगीतमय आचार्य श्री का पूजन एवं अन्य धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए। इस अवसर पर मुनिराजों के दीक्षा जीवन से जुड़े संस्मरण एवं प्रेरणादायी प्रसंग भी श्रद्धालुओं के बीच साझा किए गए।

समझना जरूरी : एलक धैर्य सागर जी महाराज, एलक धैर्य सागर जी महाराज मैं अपने मंगल संबोधन में कहा कि मुनि पद का बड़ा ही महत्व होता है इसे प्राप्त करनेक लिए स्वर्ग के देव भी लालायत रहते हैं।

मंगल देशना में मुनि श्री आगम सागर जी महाराज ने अपने दीक्षा दिवस के संस्मरण साझा करते हुए कहा कि दीक्षा केवल संसार का त्याग नहीं, बल्कि आत्मकल्याण की दिशा में बढ़ने का संकल्प है। जैन मुनिराज संसार की मोह-माया का त्याग कर

दीक्षा का वास्तविक महत्व आत्मशुद्धि एवं मोक्ष के मार्ग पर अग्रसर होते हैं।

उन्होंने मुनि श्री पुनीत सागर जी महाराज के जीवन का स्मरण करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा एवं सांसारिक उपलब्धियों के बावजूद उन्होंने संसार का त्याग कर संयम का मार्ग स्वीकार किया। गुरु द्वारा बताए गए मार्ग पर चलना ही सच्ची शिष्यता है।

मुनि श्री ने कहा कि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज स्वयं के कल्याण के साथ-साथ परकल्याण की भावना रखते थे। भगवान महावीर के बताए मार्ग पर चलते हुए सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चरित्र रूपी रत्नत्रय को जीवन में धारण करना ही आत्मकल्याण का मार्ग है।

श्रद्धालुओं ने लिया धर्मलाभ :- दीक्षा दिवस समारोह के दौरान मुनिराजों के प्रति श्रद्धालुओं ने अपनी श्रद्धा एवं भक्ति अर्पित की। विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

आयोजन के दौरान मुनि श्री आगम सागर जी महाराज के पाद प्रक्षालन करने का सौभाग्य श्री विनोद जैन- श्रीमती संजना जैन बड़जात्या परिवार, शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य श्री भरत जैन भोरावत परिवार को प्राप्त हुआ। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति होकर आयोजन को सफल बनाया।

उक्त जानकारी चातुर्मास समिति के अध्यक्ष श्री नरेन्द्र जैन गुरूकृपा, मालवीय रोड, बड़ा मंदिर समिति के अध्यक्ष श्री संजय जैन नायक द्वारा प्रदाय की गई। मंच का संचालन श्री राजेश जैन रज्जन ने किया।

लश्कर चीफ हाफिज सईद पर कानूनी शिकंजा

- 26/11 हमले को लेकर नपेंगे 6 दरिंदे
- बीएनएसएस कानून के तहत चलेगा मुकदमा

नई दिल्ली। मुंबई की धरती को 26/11 साल 2008 में लहूलुहान करने वाले पाकिस्तान आतंकियों और उनके सरपस्तों पर भारत कानूनी शिकंजा कसने जा रहा है। 26 नवंबर को हुए आतंकी हमले के 18 साल बाद, इस कायराना साजिश के मुख्य आरोपित लश्कर चीफ हाफिज सईद और जकी-उर-रहमान-लखवी समेत 6 भगोड़े आतंकियों के खिलाफ मुंबई की स्पेशल अदालत में मुकदमा चलाया जाएगा। यह ऐतिहासिक मुकदमा आतंकियों की गैरमौजूदगी में शुरू होगा। नए कानून भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के लागू होने के बाद किसी आतंकी मामले में गैरहाजिरी को लेकर देश का पहला मामला है।

विशेष लोक अभियोजक उज्ज्वल निकम ने कानूनी कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 356 अदालतों को यह अधिकार देती है कि वे भगोड़े अपराधियों की अनुपस्थिति में भी ट्रायल पूरा कर सकें। इसका मकसद पाकिस्तान में छिपे आतंकियों द्वारा भारत की कानूनी प्रक्रिया को लटकाने की साजिश को खत्म करना है। इस कानून का इस्तेमाल होने पर अब न्याय में देरी नहीं होगी। मुंबई पुलिस कमिश्नर देवेन भारती ने उज्ज्वल निकम को आधिकारिक पत्र लिखकर इन आतंकियों के खिलाफ तुरंत ट्रायल शुरू करने की सिफारिश की थी।

मुंबई आतंकी हमले 26/11 की सुनवाई स्पेशल कोर्ट कर रही है। अदालत ने 6 आतंकियों लश्कर-ए-तैयबा चीफ हाफिज सईद, लखवी, साजिद मीर, अबू अलकमा, आसिम उर्फ अबू कहफा और मेजर अब्दुर रहमान पाशा के खिलाफ सार्वजनिक जानकारी दी है। उल्लेखनीय है कि, आतंकी हाफिज पर 26/11 हमले की साजिश रचने का आरोप है। वह लखवी, कहफा और अलकामा आतंकवादियों की ट्रेनिंग करवा रहे थे। ये सभी सैयद जबीहुद्दीन उर्फ अबू जुंदाल के साथ कराची में बने कंट्रोल रूम में मौजूद थे। अबू जुंदाल ने ही आंतकियों को हिंदी और स्थानीय भाषाएं सिखाई थीं, जिसके बाद वह आतंकी हमले को अंजाम देने में कामयाब हुए थे।

छत्तीसगढ़ में 22 आईएएस अफसरों का ट्रांसफर

- 6 जिलों के कलेक्टर बदले, पर्यटन से भी बाहर हुए आईएफएस विवेक आचार्य

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ शासन ने प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल किया है। आदेश के अनुसार 22 आईएएस अधिकारियों और एक आईएफएस अधिकारी की नई पदस्थापना की गई है। इस फेरबदल में 6 जिलों के कलेक्टर भी बदले गए हैं। सबसे बड़ा बदलाव नगरीय प्रशासन विभाग में हुआ है। 1999 बैच के ड्डस् अधिकारी सोनमणि बोरा को नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग का प्रमुख सचिव बनाया गया है। उनके पास विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग का अतिरिक्त प्रभार भी रहेगा।

विवेक आचार्य (आईएफएस),

जो वर्तमान में प्रबंध संचालक, पर्यटन मंडल के पद पर थे, उनकी सेवाएं तत्काल प्रभाव से उनके मूल विभाग वन विभाग को वापस कर दी गई हैं। इस तरह विवेक आचार्य 3 महीने में संस्कृति और पर्यटन दोनों विभागों की जिम्मेदारी से बाहर हो गए हैं। आर. शंगीता को नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव पद से हटाकर सचिव, मंत्रालय बनाया गया है। वहीं, गरियाबंद के कलेक्टर भगवान सिंह उइके को सामान्य प्रशासन विभाग का संयुक्त सचिव बनाया गया है।

सरकारी काम में देरी की तो अफसरों पर लगेगा जुर्माना

- कलेक्टर गौरव सिंह बोले- लोकसेवा गारंटी का पालन नहीं करने पर होगी कार्रवाई

रायपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टोरेट के रेडक्रॉस भवन में मंगलवार को कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने समय-सीमा की बैठक ली। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को साफ निर्देश दिए कि लोगों को सरकारी सेवाओं का लाभ तय समय पर मिलना चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि लोकसेवा गारंटी अधिनियम का पालन नहीं करने वाले विभागों पर कार्रवाई की जाएगी। सेवाएं देने में देरी होने पर संबंधित अधिकारी पर जुर्माना भी लगाया जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि जिन सरकारी भवनों का कोई हिस्सा जर्जर हो चुका है, उसे तुरंत गिराने की कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि जर्जर भवनों के कारण कभी भी हादसा हो सकता है। अधिकारियों को ऐसे भवनों की जांच कर जरूरी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। रायपुर में प्रोजेक्ट पुनर्जीवन के तहत हर विभाग अपनी टीम बनाएगा। टीम अपने कार्यालय और आसपास लगे पौधों के चारों ओर किए गए कांक्रीट या जाली के घेरे हटाएगी। इससे पौधों को बढने के लिए ज्यादा जगह मिलेगी और वे फिर से अच्छी तरह विकसित हो सकेंगे। बैठक में शिशु संरक्षण माह अभियान की जानकारी भी दी गई।

समस्त
प्रदेश वासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ
गोपाल सिंह विद्रोही
वरिष्ठ पत्रकार एवं ब्यूरो चीफ
विश्व परिवार- जिला सूरजपुर
अमन सिंह
कु. श्रेया सिंह
श्रीमती राखी सिंह

समस्त प्रदेश वासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ
1-ग्राम पंवायत आपका है इसे अपने घर की तरह साफ सुथरा बनाए रखें।
2-ग्राम पंवायत के किसी भी क्षेत्र के नाली में जल जमाव न होने दे मच्छर पनपता है जो मलेरिया का जड़ है।
3-अपने घर-गांव को हरा-भरा रखें यह तभी संभव है जब सभी अपने माता-पिता के नाम वृक्ष लगाए और बचाए
मनोज कुमार
सरपंच
वीरेंद्र प्रसाद कुशवाहा
सचिव
समस्त पंचगण एवं ग्रामवासीग्राम पंचायत रतनपुर जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़

समस्तप्रदेश वासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ
1-ग्राम पंवायत आपका है इसे अपने घर की तरह साफ सुथरा बनाए रखें।
2-ग्राम पंवायत के किसी भी क्षेत्र के नाली में जल जमाव न होने दे मच्छर पनपता है जो मलेरिया का जड़ है।
3-अपने घर-गांव को हरा-भरा रखें यह तभी संभव है जब सभी अपने माता-पिता के नाम वृक्ष लगाए और बचाए
राधा बाई
सरपंच
सिया राम राजवाड़े
सचिव
समस्त पंचगण एवं ग्रामवासीग्राम पंचायत जयनगर जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़

समस्त प्रदेश वासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ
1-ग्राम पंवायत आपका है इसे अपने घर की तरह साफ सुथरा बनाए रखें।
2-ग्राम पंवायत के किसी भी क्षेत्र के नाली में जल जमाव न होने दे मच्छर पनपता है जो मलेरिया का जड़ है।
3-अपने घर-गांव को हरा-भरा रखें यह तभी संभव है जब सभी अपने माता-पिता के नाम वृक्ष लगाए और बचाए
कौशिल्या सिदार
सरपंच
हेमवंत दास
सचिव
समस्त पंचगण एवं ग्रामवासीग्राम पंचायत जमदेई जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़

समस्त प्रदेश वासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ
1-ग्राम पंवायत आपका है इसे अपने घर की तरह साफ सुथरा बनाए रखें।
2-ग्राम पंवायत के किसी भी क्षेत्र के नाली में जल जमाव न होने दे मच्छर पनपता है जो मलेरिया का जड़ है।
3-अपने घर-गांव को हरा-भरा रखें यह तभी संभव है जब सभी अपने माता-पिता के नाम वृक्ष लगाए और बचाए
बबली सिंह
सरपंच
राजकुमार सिदार
सचिव
समस्त पंचगण एवं ग्रामवासीग्राम पंचायत कोरिया जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़

80 वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक
शुभकामनाएं एवं बहुत-बहुत बधाई।
1-ग्राम पंवायत आपका है इसे अपने घर की तरह साफ सुथरा बनाए रखें।
2-ग्राम पंवायत के किसी भी क्षेत्र के नाली में जल जमाव न होने दे मच्छर पनपता है जो मलेरिया का जड़ है।
3-अपने घर-गांव को हरा-भरा रखें यह तभी संभव है जब सभी अपने माता-पिता के नाम वृक्ष लगाए और बचाए
अमर सिंह
सरपंच
नार सिंह
सचिव
समस्त पंचगण एवं ग्रामवासीग्राम पंचायत राजापुर जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़

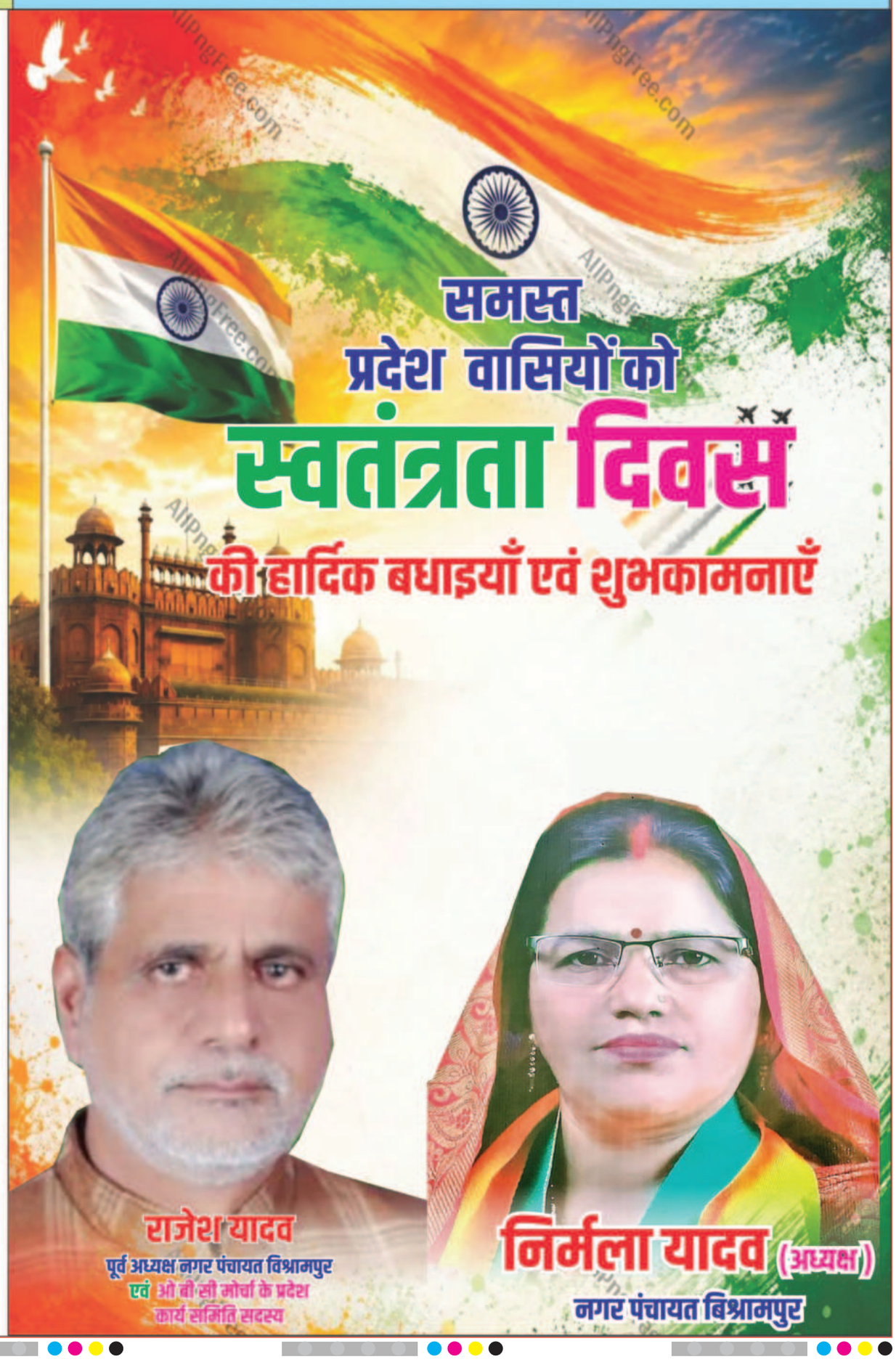
समस्त
प्रदेश वासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ
राजेश यादव
पूर्व अध्यक्ष नगर पंचायत विश्रामपुर
एवं ओ बी सी मोर्चा के प्रदेश
कार्य समिति सदस्य
निर्मला यादव (अध्यक्ष)
नगर पंचायत बिश्रामपुर

समस्त प्रदेश वासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ
1-ग्राम पंचायत आपका है इसे अपने घर की तरह साफ सुथरा बनाए रखें।
2-ग्राम पंचायत के किसी भी क्षेत्र के नाली में जल जमाव न होने दे मच्छर पनपता है जो मलेरिया का जड़ है।
3-अपने घर-गांव को हरा-भरा रखें यह तभी संभव है जब सभी अपने माता-पिता के नाम वृक्ष लगाए और बचाए
सुशील दास
सरपंच
धनेश्वर प्रजापति कुशवाहा
सचिव
समस्त पंचगण एवं ग्रामवासीग्राम पंचायत हर्री टिकरा जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, बुधवार 19 अगस्त 2026

जिले में अब तक 6203.7 मिमी वर्षा दर्ज

जशपुरनगर। जिले में 01 जून से 18 अगस्त 2026 तक 6203.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इसी अवधि में पिछले 10 वर्षों की औसत वर्षा 7208.9 मिमी रही है। बीते दिवस जिले में औसतन 358.5 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 01 जून से 18 अगस्त तक तहसीलवार वर्षा इस प्रकार है: तहसील जशपुर में 593.3 मिमी, मनोरा में 949.1 मिमी, कुनकुरी में 864.2 मिमी, दुलदुला में 543.3 मिमी, फरसाबहार में 340.7 मिमी, बगीचा में 582.8 मिमी, कांसाबेल में 669.2 मिमी, पत्थलगांव में 583.1 मिमी, सन्ना में 745.4 मिमी एवं बागबहार में 332.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

आजादी का गौरव' छायाचित्र प्रदर्शनी का मुख्यमंत्री साय व विधायक पुरन्दर मिश्रा ने किया शुभारंभ

■ विधायक पुरन्दर मिश्रा के आग्रह पर मुख्यमंत्री की बड़ी सौगात, ऐतिहासिक धरोहरों के लिए 1 करोड़ रुपए

रायपुर (विश्व परिवार)। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर राजधानी रायपुर के उत्तर विधानसभा क्षेत्र स्थित ऐतिहासिक टाउन हॉल में आयोजित 'आजादी का गौरव' छायाचित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी एवं रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा ने किया। इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम के गौरवशाली इतिहास, वीर शहीदों के त्याग एवं राष्ट्र निर्माण की यात्रा को दर्शाती छायाचित्र प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया गया।

1890 से इतिहास का साक्षी है टाउन हॉल

टाउन हॉल रायपुर की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसे 'Victoria Jubilee Town Hall' (विक्टोरिया जुबली टाउन हॉल) के नाम से जाना जाता था। इसका उद्घाटन 12 अप्रैल 1890 को तत्कालीन छत्तीसगढ़ डिवीजन के कमिश्नर ए. एच. एल. फ्रेज़र एस्क्वायर द्वारा किया गया था।

एक सदी से भी अधिक समय से यह ऐतिहासिक भवन रायपुर के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सार्वजनिक जीवन का साक्षी रहा है। इस भवन से जुड़ी ऐतिहासिक स्मृतियां रायपुर की विरासत और शहर के गौरवशाली अतीत को प्रतिबिंबित करती हैं।

कार्यक्रम के दौरान रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के समक्ष टाउन हॉल के सुसज्जीकरण एवं संरक्षण का विषय रखा। विधायक श्री मिश्रा ने आग्रह किया कि ऐतिहासिक टाउन हॉल के सुसज्जीकरण हेतु 50 लाख रुपए तथा शहीद स्मारक के सुसज्जीकरण हेतु 50 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की जाए।

विधायक श्री मिश्रा ने कहा कि टाउन हॉल केवल एक भवन नहीं, बल्कि रायपुर के इतिहास और सामाजिक जीवन की महत्वपूर्ण धरोहर है। इसी प्रकार शहीद स्मारक हमारे उन वीर सपूतों की स्मृतियों का प्रतीक है, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता एवं राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। इन ऐतिहासिक धरोहरों को संरक्षित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है, ताकि आने वाली पीढ़ियां अपने गौरवशाली इतिहास से परिचित हो सकें।

मुख्यमंत्री ने तत्काल की 1 करोड़ रुपए की घोषणा

विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा के आग्रह एवं जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी ने टाउन हॉल एवं शहीद स्मारक के सुसज्जीकरण के लिए कुल 1 करोड़ रुपए की राशि की घोषणा की।

मुख्यमंत्री की इस घोषणा का उपस्थित नागरिकों एवं क्षेत्रवासियों ने स्वागत किया। इस राशि से ऐतिहासिक टाउन हॉल के संरक्षण, साज-सज्जा एवं सुविधाओं के उन्नयन के साथ-साथ शहीद स्मारक को भी अधिक सुव्यवस्थित एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान करने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

सीएसआर विभाग, बचेली द्वारा 'एनएमडीसी स्वास्थ्य कौशल योजना

■ 2026' के अंतर्गत अधिष्ठापन कार्यक्रम का आयोजन

बचेली (विश्व परिवार)। भारत की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक कंपनी एनएमडीसी लिमिटेड के बचेली परियोजना द्वारा अपने नैगम सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पहल के तहत छत्तीसगढ़ के बस्तर और दंतेवाड़ा जिलों के कुल 90 (67 छात्राओं एवं 23 छात्रों) अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए एनएमडीसी स्वास्थ्य कौशल योजना के अंतर्गत अधिष्ठापन कार्यक्रम का आयोजन 18.08.2026 को मगंल भवन, एनएमडीसी बचेली में किया गया।

इन सभी छात्र- छात्राओं को मेडिकल टेक्नोलॉजी के कुल 06 पाठ्यक्रमों यथा बीएससी इमरजेंसी मेडिकल टेक्नोलॉजी, बीएससी मेडिक लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी, बीएससी एनेस्थीसियोलॉजी एंड ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी, बीएससी इमेजिंग टेक्नोलॉजी, बीएससी फिजिशियन असिस्टेंट तथा बीएससी रिनल डायलिसिस टेक्नोलॉजी में अध्ययन हेतु अपोलो यूनिवर्सिटी, चित्तूर पहुंचने के लिए एनएमडीसी, बचेली के मुख्य महाप्रबंधक (उत्पादन) श्री टी शिव कुमार द्वारा मंगलवार को सुबह हरी झंडी दिखाकर बसों को रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी बच्चों को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

एमएमडीसी के सीएसआर विभाग द्वारा अथितिगणो के करकमलों से सभी बालक और बालिकाओं को कार्यक्रम के दौरान स्मृति चिन्ह भी प्रदान किया गया।

इस अवसर पर एनएमडीसी के कर्मचारीगण, यूनियन के पदाधिकारीगण, आदिवासी संघ, सीएसआर कर्मचारियों तथा अभिभावकगणों की उपस्थिति रही।

समर्पित कर्मियों से ही लाखों घरों में पहुंचती है बिजली : भीम सिंह कंवर

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के उत्कृष्ट कार्य करने वाले मैदानी एवं कार्यालयीन कार्मिकों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रबंध निदेशक पदक से सम्मानित किया गया। विपरित परिस्थितियों में भी लगन एवं धैर्य से कार्य करते हुए उपभोक्ता सेवा में लगे रहने वाले प्रदेशभर के दस श्रम साधक कार्मिकों को प्रबंध निदेशक भीम सिंह कंवर ने पदक एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

पॉवर कंपनी मुख्यालय में आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए श्री भीम सिंह ने उत्कृष्ट कर्मियों की उपलब्धियों को अन्य कार्मिकों के लिए प्रेरणादायी बताया। उन्होने कहा कि 65 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति करना एक बड़े तंत्र और समर्पित कार्मिकों के कारण संभव हो पाता है।वार्षिक सम्मान समारोह के दौरान मैदानी क्षेत्रों में प्रतिकूलताओं के बीच विद्युत आपूर्ति बहाल करने , वित्तीय क्षति से बचाने, लाइन लॉस कम करने, उल्लेखनीय रूप से बकाया बिल भुगतान करवाने , सौर ऊर्जा को बढ़ाने समेत कई उल्लेखनीय कार्यों के लिए कार्मिकों का चयन किया गया। इसमें छिन्दगढ़, जगदलपुर में पदस्थ आदर्श कुमार साहू, कनिष्ठ अभियंता, योगेश्वर कोसरिया, उप.महाप्रबंधक, वित्त एवं लेखा, दुर्ग, विकास शर्मा, प्रबंधक ,जनसम्पर्क, रायपुर, श्री छत्रपाल, सहायक अभियंता उपसंभाग हसौद, श्रवण कुमार, कनिष्ठ अभियंता, मनेन्द्रगढ़, गगन दौड़िया, कार्यालय सहायक श्रेणी-तीन, नवीन सिंह राजपूत, कार्यालय सहायक श्रेणी-तीन, प्रफुल्ल कुमार साहू, तकनीशियन सिरगिट्टी जोन, लालाराम पटेल, लाईन सहायक श्रेणी-दो राजनांदगांव एवं टुकेन्द्र यादव, परिचारक श्रेणी एक, उरला को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

ट्रांसमिशन कंपनी के आठ अधिकारी-कर्मचारी सम्मानित

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी में क्षेत्रीय स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले आठ अधिकारी एवं कर्मचारियों को आयोजित सम्मान समारोह में प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मानित अधिकारी-कर्मचारियों का चयन वर्षभर के दौरान तकनीकी दक्षता, परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन, नवाचार, विद्युत प्रणाली की सुरक्षा एवं विश्वसनीयता बनाए रखने तथा चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उल्लेखनीय कार्य निष्पादन के आधार पर किया गया।

सम्मानित होने वालों में महासमुंद के 132/33 केव्ही उपकेंद्र झलप एवं बागबाहरा की सहायक अभियंता सुश्री लता जगत को 63 एमव्हीए ट्रांसफार्मरों की समयबद्ध स्थापना तथा आपातकालीन परिस्थितियों में विद्युत प्रणाली की सुरक्षा सुनिश्चित करने, भिलाई के कर्मशाला संभाग के परिचारक श्रेणी-दो (ला.) श्री वेदराम यादव को जटिल ट्रांसमिशन संरचनाओं एवं 220 केव्ही टावरों के लिए विशेष टेम्पलेट तैयार कर निर्माण कार्य को सरल बनाने, रायगढ़ के अति उच्च दाब (निर्माण) उपसंभाग के परिचारक श्रेणी-एक (लाइन) श्री सत्य प्रकाश राठौर को ग्रामीण क्षेत्रों की चुनौतियों के बीच घरघोड़ा-बरौद 132 केव्ही लाइन निर्माण कार्य समय से पूर्व पूर्ण कराने, भिलाई के 400 केव्ही उपकेंद्र खेदामारा के परीक्षण सहायक श्रेणी-एक श्री जे. कृष्णामूर्ति को 400/220/33 केव्ही 105 एमवीए यूनिट-1 की स्थापना, परीक्षण एवं कमीशनिंग तथा आपात स्थिति में त्वरित तकनीकी कार्रवाई के लिए, अंबिकापुर के सिविल संभाग के डाटा एंट्री ऑपरेटर श्री सुमित कुमार सिंह को सीमित मानव संसाधनों के बीच कार्यालयीन कार्यों के सफल संचालन एवं उपकेंद्रों के लिए वन भूमि आबंटन में उल्लेखनीय सहयोग के लिए, रायपुर मुख्यालय की प्रबंधक (वित्त) श्रीमती अमृता व्यास को एपीआई आधारित मशीन-टू-मशीन भुगतान प्रणाली विकसित कर भुगतान प्रक्रिया के सफल डिजिटलीकरण के लिए, रायपुर के अति उच्च दाब (निर्माण) संभाग के लाइन सहायक श्रेणी-दो श्री हीरा सिंह ध्रुव को एनएमडीसी बचेली के लिए 132 केव्ही लाइन निर्माण में विभिन्न विभागों एवं स्थानीय लोगों के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित कर कार्य को सफल बनाने के लिए तथा बिलासपुर के 132 केव्ही उपकेंद्र तिफरा की सहायक अभियंता सुश्री वीणा ध्रुव को नौ उपकेंद्रों का अतिरिक्त दायित्व निभाते हुए आपातकालीन परिस्थितियों में प्रभावी कार्य निष्पादन तथा नवीन पावर ट्रांसफार्मरों की सफल चार्जिंग में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ गृह निर्माण व अधोसरंचना विकास मण्डल में कार्यक्रम

■ हितग्राहियों को दाण्डिक ब्याज में 50 प्रतिशत छूट की दी सौगात

रायपुर (विश्व परिवार)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मण्डल मुख्यालय में आयोजित स्वाधीनता दिवस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसरंचना विकास मण्डल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने हितग्राहियों को दाण्डिक ब्याज में 50 प्रतिशत छूट का लाभ देने की घोषणा करते हुए बड़ी सौगात दी। यह छूट मण्डल की समस्त योजनाओं में निर्मित/निर्माणाधीन आबंटित संपत्तियों/विशेष आवासीय योजना (OTS 1 एवं 2 में आबंटित संपत्तियों को छोड़कर) पर लागू होगी। हितग्राही उन्हें आबंटित संपत्ति की संपूर्ण बकाया राशि एकमुश्त जमा कर दाण्डिक ब्याज (विलम्बित अवधि के ब्याज) में 50 प्रतिशत छूट का लाभ ले सकते है।

अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने बताया कि मण्डल द्वारा पूर्व में निर्मित भवनों के विरूद्ध बकाया राशि एकमुश्त जमा करने पर 50 प्रतिशत दाण्डिक ब्याज में छूट का लाभ 31 मार्च 2026 की अवधि तक दिया गया था। हितग्राहियों से इस योजना को अच्छा प्रतिसाद मिला। मण्डल की निधि तरलता एवं हितग्राहियों को दाण्डिक (विलम्बित अवधि) ब्याज में 50 प्रतिशत छूट का लाभ प्राप्त करते हुए बकाया राशि एकमुश्त जमा करने की सहुलियत देने के उद्देश्य से यह योजना लायी गई है।

अध्यक्ष ने बताया कि हितग्राहियों द्वारा जलप्रदाय शुल्क (वाटर चार्जेस) भी समय पर जमा नहीं करने के कारण वाटर चार्जेस पर सरचार्ज भारित हो रहा था तथा हितग्राहियों द्वारा हाउसिंग बोर्ड से लगातार सरचार्ज माफ करने आग्रह किया जा रहा था। बोर्ड द्वारा बोर्ड की आबंटित संपत्तियों पर लंबित जलप्रदाय शुल्क (वाटर चार्जेस) को एकमुश्त जमा करने पर भारित सरचार्ज में 50 प्रतिशत छूट हितग्राहियों को प्रदान करने का निर्णय लिया गया है, जिससे हितग्राहियों को लाभ मिलेंगा।

आयुक्त ने बस स्टैण्ड क्षेत्र व फ्लाई ओव्हर के नीचे साफ-सफाई का किया निरीक्षण

राजनांदगांव। शहर की सफाई व्यवस्था में गुणात्मक सुधार लाने निगम आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम द्वारा प्रतिदिन सुबह शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सफाई निरीक्षण कर निर्धारित समय तक सफाई करने, पानी निकासी एवं आवागम में बाधित अतिक्रमण हटाने निर्देशित किया जा रहा है। आज के सफाई निरीक्षण के दौरान उन्होंने बस स्टैण्ड क्षेत्र एवं फ्लाई ओव्हर के नीचे गंदगी देख अतिक्रमण हटाने तथा झिल्ली पन्नी उठा साफ सफाई करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री मरकाम आज सफाई निरीक्षण में नया बस स्टैण्ड क्षेत्र एवं उसके पास के फ्लाई ओव्हर के नीचे सफाई का जायजा लेकर सम्पूर्ण क्षेत्र की सफाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने फ्लाई ओव्हर के नीचे फैले झिल्ली पन्नी व कचरे की समक्ष में सफाई करवाये। उन्होंने सफाई टीम से कहा कि फ्लाई ओव्हर के नीचे कचरा डालने व गंदगी फैलाने वालो के उपर सक्त कार्यवाही करे। साथ ही अतिक्रमण कर निवासरत लोगो को भी खाली करने समझाईस दिए। उन्होंने अतिक्रमण टीम से भी कहा कि फ्लाई ओव्हर के नीचे या सर्विस रोड में आवागमन बाधित कर अतिक्रमण करने वालो को हटाने समझाईस देवे, अपालन पर हटाने की कार्यवाही करे। इसी प्रकार कलेक्ट्रेट के पास रखे जर्जर ठेला देख उसे हटाने के निर्देश पर निगम का अमला ठेला हटाने की कार्यवाही किए।

रायपुर रेल मंडल में ट्रैक आधारभूत संरचना एवं संरक्षा कार्यों में उल्लेखनीय प्रगति

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल के द्वारा अप्रैल से जुलाई 2026 के दौरान ट्रैक आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण, रेल संरक्षा, यार्ड सुधार एवं आधुनिकीकरण के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं। इन कार्यों का उद्देश्य रेल अधोसंरचना को और मजबूत करना, ट्रेन परिचालन की संरक्षा एवं दक्षता बढ़ाना तथा यात्रियों के लिए अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय रेल सेवाएं सुनिश्चित करना है।

अप्रैल 2026 में मांढर - उरकुरा सेक्शन के मिड लाइन पर ब्रिज क्रमांक 387 के गर्डर की अलाइनमेंट सुधार का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इससे संबंधित स्थान पर ट्रैक की स्थिति एवं संरक्षा को बेहतर बनाने में सहायता मिली है। इसी अवधि में छ्छ-19 पर रोड अंडर ब्रिज (RUB) के निर्माण के लिए कट-एंड-कवर पद्धति से बॉक्स इन्सर्शन का कार्य पूरा किया गया। वर्तमान में RUB के एप्रोच का

कार्य प्रगति पर है। कार्य पूर्ण होने के बाद लेवल क्रॉसिंग क्रमांक DD-19 को स्थायी रूप से बंद किया जा सकेगा, जिससे सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए आवागमन अधिक सुरक्षित एवं सुविधाजनक होगा।

वहीं जून 2026 में बिल्हा यार्ड में ट्रैक आधुनिकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया गया। यार्ड के पश्चिमी छोर पर प्वाइंट क्रमांक 42B एवं 41A पर दो थिक वेब स्विच (Thick Web Switches -TWS) लगाए गए। दोनों स्विच 1.5 डिग्री कर्व पर स्थित हैं। रायपुर रेल मंडल में कर्व पर थिक वेब स्विच लगाने का यह पहला अवसर है, जो ट्रैक संरचना को मजबूत एवं आधुनिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

जुलाई 2026 में मांढर यार्ड में क्रॉस-ओवर क्रमांक 61 की क्रॉस-ओवर लंबाई में सुधार का कार्य किया गया। इससे यार्ड की कार्यक्षमता एवं परिचालन दक्षता में सुधार होगा । इसके अतिरिक्त, फील्ड कर्मचारियों के तकनीकी ज्ञान एवं दक्षता में वृद्धि के लिए 09 जुलाई 2026 को GEDO जीईडीओ ट्रॉली के कार्यप्रणाली पर मंडल स्तरीय सेमिनार आयोजित किया गया। इसमें सम्बंधित अधिकारियों एवं इंजिनीयरों ने भाग लिया।

जीईडीओ ट्रॉली का उपयोग ट्रैक पर ट्रॉली को चलाकर रेल पथ की गेज, लेवल एवं अलाइनमेंट मापने के लिए किया जाता है। टैंपिंग मशीन के उपयोग से पूर्व ट्रैक की माप लेकर यह आकलन किया जाता है कि बेहतर एवं सटीक परिणाम प्राप्त करने के लिए टैंपिंग मशीन द्वारा ट्रैक को कितना उठाना एवं स्लीविंग आवश्यक होगा। रायपुर रेल मंडल में पहली बार बाहरी एजेंसी की सहायता से इस तकनीक का उपयोग किया जा रहा है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./33979/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 18-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33979
वार्ड का नाम-45-मौलाना अब्दुल रऊफ वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 45 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR741D00511 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती GOVT. NAZUL LAND HUMAYU AHMED पिता/पति, श्री/श्रीमती LATE. SAID AHMED के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती नियाज अहमद पिता/पति, श्री/श्रीमती स्व सईद अहमद ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ शपथ पत्र, टैक्स रसीद, आधार कार्ड, दान विलेख व अन्य दस्तावेज / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./34495/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 17-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34495
वार्ड का नाम-47-मदर टेरेसा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड-47 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR443E00223 जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती PARAMJEET SINGH MAJJU S/O TIRATH SINGH MAJJU, 2.HARPREET KAUR MAJJU W/O LATE CHARANJEET SINGH MAJJU, 3. MANJINDER SINGH MAJJU S/O LATE TIRATH SINGH MAJJU, 4. AMARDEEP KAUR ARORA D/O LATE TIRATH SINGH MAJJU पिता/पति श्री/श्रीमती ... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती PARAMJEET SINGH MAJJU 2. MANJINDER SINGH MAJJU 3. AMARDEEP KAUR पिता/पति श्री/श्रीमती 1& 2. S/O LATE. TIRATH SIINGH MAJJU 3. W/O SARDAR DILIP SINGH ARORA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत हक त्याग विलेख / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34556/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 18-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34556
वार्ड का नाम- 56 - ले. अरविंद दीक्षित वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 56 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR446G00271 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती KALPANA GUHE पिता/पति, श्री/श्रीमती SANJAY GUHE के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती SANJAY GUHEY पिता/पति, श्री/श्रीमती R.S. GUHEY ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./34509/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 17-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34509
वार्ड का नाम-37 - शहीद चूड़ामणि नायक वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 37 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR516C00051 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती BALRAM SAHU पिता/पति, श्री/श्रीमती LATE MOHAN LAL SAHU के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती DEEPAK SAHU पिता/पति, श्री/श्रीमती SHRI SHYAM SAHU ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ शपथ पत्र मलमा बिक्रीनामा पत्र / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./32474/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 2-07-2026

इश्तिहार/त्रुटि सुधार

नामांतरण प्र.क्र. 32474
वार्ड का नाम-34-पं. रविशंकर शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 34 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR224E00141 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती MR. BALAKRAM पिता/पति, श्री/श्रीमती ... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती राम गोपाल साहू पिता/पति, श्री/श्रीमती स्व. बालक राम साहू ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ .... / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /34385/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 16-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34385
वार्ड का नाम-9 - पं. मोती लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 9 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR226S01022 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती MANOJ MENGHANI पिता/पति, श्री/श्रीमती CHUNNI LAL MENGHANI के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती मोहित मेघानी पिता/पति, श्री/श्रीमती स्व. मनोज मेघानी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, सहमति पत्र, / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./34571/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 18-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34571
वार्ड का नाम- 62 शहीद राजीव पांडे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 62 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-RPR650C00278 जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती ANJANI BAI SAHU पिता/पति, श्री/श्रीमती W/O SHOBHIT RAM SAHU के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती ARUN KUMAR SAHU पिता/पति श्री/श्रीमती SHOBHIT RAM SAHU ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ SHAPATH PATR EVM DEATH CERTIFICATE / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, बुधवार 19 अगस्त 2026

www.dainikvishwaparivar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

यथार्थ से टकराती कथाएं

हकीकत से कटे नैरेटिव्स का अपना जीवनकाल होता है। जब उनका सामना विपरीत होते जमीनी हालात से होता है, तो उनमें दरारें पड़ने लगती हैं। ज़ेन-ज़ी का तेवर उन्हीं हालात का नतीजा है। भारत का राजनीतिक विमर्श काफी पहले शालीनता की हदें तोड़ चुका है, इसलिए इसमें नए अपशब्दों के जुड़ने पर शायद ही किसी को एतराज होता है। तीखे ध्रुवीकरण की मौजूदा सूरत में किसी नेता की टिप्पणियों को गरिमा-विहीन या मर्यादा के खिलाफ बता कर उसे घेरने की रणनीति का विरोधी खेमों पर अब कोई असर नहीं होता। कई वर्षों तक इस नई स्थिति का लाभ भाजपा ने उठाया। भाजपा नेताओं को लेकर कुछ हलकों से तब भी ऐसे शब्द बोले जाते थे, लेकिन तब कथानक पर भाजपा इकॉ-सिस्टम का इतना दबदबा था, वे शब्द बोलने वाले को ही भारी पड़ जाते थे। लेकिन यह बदले माहौल का ही संकेत है कि ऐसे लफ्ज़ अब जनमत के एक बड़े हिस्से में नया राजनीतिक कथानक गढ़ने का काम करने लगे हैं। भाजपा काफी समय तक विपक्षी नेताओं को प्रहसन-पात्र के रूप में पेश सियासी फायदे उठाती रही, मगर अब सोशल मीडिया- खासकर रील्स के इस्तेमाल से वैसी ही छवि उनके शीर्ष नेताओं को पेश की जा रही है, जिसे एक बड़ा श्रोता वर्ग मिल रहा है। बेशक, यह स्थिति लाने में ज़ेन-ज़ी के आंदोलनों ने बड़ी भूमिका निभाई है। भाजपा के सामने सवाल खड़ा है कि कहानी ऐसे क्यों पलटने लगी है? वे आत्म-मंथन करें, तो शायद उन्हें आभास होगा कि यथार्थ से कटे कथानकों का अपना जीवनकाल होता है। जब उनका सामना विपरीत होते जमीनी हालात से होता है, तो उनमें दरारें पड़ने लगती हैं। ज़ेन-ज़ी का तेवर उन्हीं हालात का नतीजा है। हिंदुत्व की पहचान के साथ 'विश्व गुरु' की हैसियत दिलाने के वादों से वह छली गई महसूस कर रही है, तो उसकी वजहें हैं। ये पीढ़ी 'मेक इन इंडिया', 'नया भारत', 'देश बदल रहा है', 'अमृत काल', 'विकसित भारत' जैसे नारों को सुनते हुए जब बड़ी हुई, तो उसने पाया कि असल में उसके पास आगे बढ़ने के पहले जितने अवसर भी उपलब्ध नहीं हैं। तो वह हिसाब मांग रही है। इसका जवाब 'सप्तधारा' जैसे नए नैटेरिव गढ़ कर नहीं दिया जा सकता। ना ही 'दिमागी नक्सलियों' को अलग-थलग करने जैसे एलान नई परिस्थितियों में अपेक्षित भय पैदा कर सकेंगे।

आलेख

नागरिकों पर ही है शहर साफ रखने की जिम्मेदारी

विनीत नारायण

सिर्फ सरकार को कोसना काफी नहीं। हमें खुद को भी आईना दिखाना होगा। अवैध निर्माण, मानकों से ज्यादा मंजिलें, नालियों में कचरा फेंकना, ये सब हम खुद करते हैं। ग्रामीण जीवन में जो सामूहिक जिम्मेदारी की भावना थी, शहर आकर हम भूल गए। कहने को शहरी हैं, लेकिन व्यवहार जंगली जैसा। बरसात शुरू होते ही शहरों की गलियों-मोहल्लों में पानी जमा होना शुरू हो जाता है। मौसम विभाग अगर सही अनुमान लगाता है तो मूसलाधार बारिश के अनुमान के बावजूद देश के हर शहर में बरसात के गंदे पानी के तालाबों के बीच नारकीय जिंदगी जीने को मजबूर क्यों हो जाते हैं? हर साल यही कहानी दोहराई जाती है। लेकिन इसकी ज़िम्मेदारी क्या केवल सरकार की है? क्या नागरिकों की कोई ज़िम्मेदारी नहीं? क्या कारण हैं कि हर साल मानसून में देश के कई शहर नदी नालों में तब्दील हो जाते हैं? सरकार की बात करें तो इसके तीन बड़े कारण हैं। पहला, बिना योजना के बसी कॉलोनियाँ और प्रशासन की आँख मूँदकर दी गई अनुमति। सड़क, नाली, सीवरज कुछ भी सही न हो तो भी कॉलोनी पास। दूसरा, नालियों और सीवर में ठोस कचरा जमा होना, क्योंकि स्थानीय निकाय अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभाते। तीसरा और सबसे खतरनाक, हर दो-तीन साल में सड़कों की ऊँचाई बढ़ा देना। जिससे आसपास के मकानों का तल हमेशा नीचे होता जाता है और पानी भराव की मुख्य वजह बन जाता है। पहले दो कारणों पर तो हर साल मीडिया में शोर मचता रहता है। लेकिन सड़क का बार-बार ऊँचा होना कोई नहीं पूछता। क्यों? क्योंकि जितनी मोटी सड़क बिछाई जाएगी, ठेकेदार और इंजीनियरों का मुनाफा उतना ही बढ़ेगा। पहली बार अच्छी गुणवत्ता की सड़क बना दी जाए तो बार-बार बनाने की जरूरत ही न पड़े। थोड़े-बहुत पैचवर्क से काम चल सकता है, वहाँ भी पूरी नई सड़क डाल दी जाती है। बिना इस बात का लिहाज किए कि सड़क के दोनों तरफ रहने वाले आम लोगों की इतनी हैसियत नहीं होती कि वे हर दो साल में अपने घर का फर्श ऊँचा करा लें। यदि विदेशों से तुलना की जाए तो एक बार भी ऐसा नहीं देखा कि विदेशों की किसी कॉलोनी की सड़क अचानक ऊँची हो गई हो या किसी मकान का फर्श सड़क से नीचे हो गया हो। सौ साल पुराने मकानों में भी यह समस्या नहीं है। न सड़क का स्तर बढ़ा, न घर का फर्श नीचा हुआ। तो हमारे इंजीनियरों की अक्ल पर क्या पत्थर पड़ गए हैं? या समझते तो हैं, लेकिन रिश्वत की हवस में करोड़ों लोगों की जिंदगी में हर दो-चार साल मुसीबत खड़ी कर देते हैं। लेकिन सिर्फ सरकार को कोसना काफी नहीं। हमें खुद को भी आईना दिखाना होगा। अवैध निर्माण, मानकों से ज्यादा मंजिलें, नालियों में कचरा फेंकना, ये सब हम खुद करते हैं। ग्रामीण जीवन में जो सामूहिक जिम्मेदारी की भावना थी, शहर आकर हम भूल गए। कहने को शहरी हैं, लेकिन व्यवहार जंगली जैसा। आजकल सोशल मीडिया पर कुछ रील्स वायरल हो रही हैं। उनमें आम नागरिक दिखते हैं जो हाथ में फावड़ा-झाड़ू लेकर सड़क पर खड़े हैं। ये लोग जल भराव वाली सड़कों पर नालियों से प्लास्टिक, पॉलीथीन, गंदगी निकालते हुए देखें जाते हैं। कोई सरकारी विभाग का इंतजार नहीं कर रहा। खुद अपना इलाका साफ कर रहे हैं ताकि बारिश का पानी रुक न जाए। ये छोटी-छोटी कोशिशें ही असल बदलाव ला सकती हैं। ज़रूरत है तो संगठित होने की। हम संबंधित अधिकारियों से सवाल पूछें। उनसे पूछें कि सड़क का स्तर हर दो साल में क्यों बढ़ाया जाता है। और अगर वे जवाब न दे पाएँ तो दबाव बनाएँ कि सड़क को उसके मूल स्तर पर लाया जाए। आज जरूरत है कि हम उन वायरल रील्स वाले नागरिकों से सीखें। ज़रूरत पड़ने पर खुद निकलकर नालियाँ साफ करें, कचरा न फेंकें, और साथ मिलकर प्रशासन पर दबाव बनाएँ। समस्या तभी घटेगी, जब हम अपनी उदासीनता छोड़कर खुद आगे बढ़ेंगे। सोचिए, अगर हर मोहल्ले में सिर्फ दस-बारह लोग नियमित रूप से नालियों की सफाई करें या सरकारी विभाग पर साफ़-सफ़ाई का दबाव बनाएं तो क्या होगा? पानी का बहाव खुला रहेगा, मच्छर कम पैदा होंगे, बीमारियाँ घटेंगी और सबसे बड़ा फायदा, घरों में पानी घुसने का खतरा काफी हद तक कम हो जाएगा। वायरल रील्स में जो लोग दिख रहे हैं, वे कोई सुपरहीरो नहीं हैं। वे सामान्य नौकरीपेशा, दुकानदार, छात्र हैं।

स्टील फ्रेम का पुनर्निर्माण:शासन करने से लेकर सेवा तक,समयबद्ध सुधारों का सिलसिला.........

डॉ. जितेंद्र सिंह

जब अंग्रेज 1947 में भारत छोड़कर वापस ब्रिटेन जाने लगे, तो वे एक मुहावरा अपने पीछे छोड़ गए : स्टील फ्रेम। इसे वे भारतीय सिविल सेवा कहते थे, वह प्रशासनिक ढांचा जिसके जरिए ब्रिटिश राज अपनी हुकूमत चलाता था। स्टील आसानी से नहीं झुकता, और यही वास्तबविक बात थी। यह ढांचा एक साम्राज्य को स्थिर बनाए रखने के लिए बनाया गया था, न कि उन लोगों की बात सुनने के लिए जिन पर उसने शासन किया था। आजादी के बाद दशकों तक हमें वो फ्रेम विरासत में मिला। हमने उसे नया नाम दिया, उसे खादी का आवरण पहनाया और खुद को बताया कि अब यह हमारा अपना है। लेकिन नियंत्रण के लिए बनाया गया फ्रेम स्वखभाविक रूप से सेवा के लिए बनाया गया ढांचा नहीं है। और हमारे गणतंत्र के पहले कई दशकों तक, भारत अपने उपनिवेशक देश के ढांचे के अंदर ही बना रहा। एक ही फॉर्म को तीन प्रतियों में दाखिल करता रहा, उन्हीं ऊंची कुर्सियों के सामने कतारों में खड़ा होता रहा और अपने भाग्य के फैसले के लिए किसी साहब की प्रतीक्षा करता रहा। मैंने अपने कामकाजी जीवन का अधिकांश समय इस ढांचे के अंदर बिताया है। पहले एक नागरिक के रूप में और एक प्रोफेशनल के रूप में, फिर भारत सरकार में कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन का प्रभार सौंपे गए मंत्री के रूप में, जिस विभाग का काम ही स्टील फ्रेम की जांच करना और यह पूछना है कि क्या फिर से तैयार करने की आवश्यकता है। इसलिए जब मुझसे पूछा जाता है कि क्या भारत ने अपनी नौकरशाही में सुधार किया है, तो मेरे उत्तकर में न तो किसी संस्थान की रक्षा करने वाले व्यक्ति का ढाल बनना है, न ही किसी ऐसे व्यक्ति की निंदा है जिसने इसे छोड़ दिया है। यह एक ऐसे व्यक्ति का उत्तर है, जिसने एक ऐसी प्रणाली के बारह वर्षों के शांत लेकिन दृढ़ पुनर्निर्माण को अंदर से देखा है, जिसे स्वतंत्रता के बाद से सार्थक रूप से नहीं छुआ गया था। अगर श्री नरेन्द्र मोदी, जो अपनी पथ-प्रदर्शक सोच के लिए जाने जाते हैं, भारत के 15वें प्रधानमंत्री के रूप में पदभार नहीं संभालते तो शायद अब भी अछूता रह गया होता। विचार करें कि हमने कहां से शुरुआत की। 2014 में, केंद्र सरकार से एक नागरिक की शिकायत को अगर हल कर लिया गया, तो इसे करने में औसतन 157 दिन लगे। अगर शिकायत दर्ज कर भी ली गई, तो इसका मतलब देश भर में फैले मुश्किल से दस हजार शिकायत अधिकारियों के साथ एक प्रणाली की खोज करना था, जिनमें से अधिकांश तक पहुंच नहीं थी और वे सभी किसी भी वास्तविक समय सीमा के प्रति कोई जवाबदेह नहीं थे। नौकरी के लिए सरकारी कार्यालय के बाहर कतार में खड़ा एक युवक, अपने पति की पेंशन फ़ाइल का पता लगा रही एक विधवा, यह जानने की कोशिश में लगा एक किसान कि उसके फसल बीमा दावे की फाइल किसी मंत्रालय की अलमारी में से क्यों गायब हो गई, इन सबके सामने एक ही स्थिति थी। उनका सामना नागरिकों को प्रतीक्षा कराने के लिए डिज़ाइन की गई एक सिस्ट म से और ऐसे अधिकारियों से था, जिनका किसी भी परिणाम के प्रति कोई उत्तसरदायित्वम नहीं था। यह केवल अक्षमता नहीं थी। यह उस प्रशासन का अंतिम जीवित अवशेष था जिसका निर्माण समाधान उपलब्धत कराने के बजाय डराने के लिए किया गया था। आज के साथ इसकी तुलना राय का विषय नहीं है; यह संख्याओं में वर्णित है। शिकायत निपटान का समय 157 दिन घटकर 15 दिन रह गया है। आज का हमारा सिस्ट ?म नौ गुना अधिक सालाना लगभग 3 लाख से बढ़कर 27 लाख शिकायतों का निवारण करता है। इन शिकायतों का निवारण करने वाले अधिकारियों की संख्या5 दस गुना से अधिक बढ़कर एक लाख तक पहुंच गई है। इस वर्ष मार्च में ही, केंद्रीय सचिवालय ने लगातार पैंतालीसवें महीने में एक लाख शिकायतों के निवारण के आंकड़े को पार कर लिया है। हमने केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) का एक ऐसे प्लेकटफॉर्म में निर्माण किया है जो अब 22 भाषाओं में बोलता है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करके एक नागरिक की शिकायत को सही डेस्क पर ले जाता है। यहां तक कि एक दूरस्थे गांव में एक किसान की आवाज में, उसकी अपनी भाषा में, एक चैटबॉट के माध्यम से शिकायत दर्ज करने में सक्षम बनाता है। काफी जानबूझकर, हमने इसका नाम समाधान दीदी अर्थात् 'समाधान करने वाली बहन' रखा था। जिस ग्रामीण को अपने काम के लिए कभी जिला कार्यालय की यात्रा करने की आवश्यकता होती थी और उम्मी।द करनी होती थी कि उसका काम सरलता से हो जाए, वह अब अपनी पंचायत में एक सामान्य सेवा केंद्र से यह काम कर सकता है। हर महीने की बीस तारीख को सीएससी-सीपीजीआरएएमएस दिवस के रूप में निर्धारित किया जाता है ताकि यह वादा अंतिम मील तक पहुंच सके। लेकिन वह गहरा परिवर्तन, जिसे मैं स्टील फ्रेम का सच्चा सुधार मानता हूं, वह डिजिटल प्लंबिंग नहीं है। यह इस दर्शन में बदलाव है कि हम अपने प्रशासनिक अधिकारियों का निर्माण कैसे करते हैं। 70 वर्षों तक, सरकार नियम-आधारित संस्कृति पर चलती रही: एक अधिकारी को इस बात से आंका जाता था कि क्या उसने सही प्रक्रिया का पालन किया था, न कि इस बात से कि उसने नागरिक की समस्या को हल किया है या नहीं। 2020 में, हमने मिशन कर्मयोगी लॉन्च किया, जो प्रशासनिक सेवा क्षमता निर्माण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम है। हमने इस कार्यक्रम को इसी भूमिका-आधारित संस्कृति में परिवर्तित करने के लिए लॉन्चइ किया था, जहां एक अधिकारी को इस आधार पर प्रशिक्षित और मूल्यांकन किया जाता है कि उसकी नौकरी वास्तव में उससे क्या मांग करती है, न कि औपनिवेशिक युग की नियम पुस्तिका में क्याि वर्णन किया गया है। आज एक ग्राम-स्तरीय क्लर्क से लेकर भारत सरकार के सचिव तक 1.65 करोड़ से अधिक सरकारी कर्मचारी, आईजीओटी कर्मयोगी नामक एक सामान्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सीखते हैं, जो अब हिंदी और सत्रह अन्य भारतीय भाषाओं में पांच हजार से अधिक पाठ्यक्रम संचालित करता है। पहली बार, हमने औपचारिक रूप से इस सीखने को एक अधिकारी की पदोन्नचति के लिए आवश्यबक वार्षिक मूल्यांकन अर्थात् निष्पायदन मूल्यांकन रिपोर्ट से जोड़ा है। अब निरंतर सीखना एक गुण नहीं रह गया, जिसका कोई अच्छाथ अधिकारी अभ्यास करता है, बल्कि इसे सीधे उसके करियर से जुड़ा हुआ एक मापतंत्र (मेट्रिक) बना दिया गया है। यह निष्पादिन जवाबदेही है, एक नारे के रूप में नहीं बल्कि एक तंत्र के रूप में। हमने अधिकारियों की भर्ती और प्रशिक्षण के तरीके से औपनिवेशिक अवशेषों को हटाने के लिए चुपचाप लेकिन लगातार काम किया है। 2016 के बाद से, निचले और मध्यम स्तर की सरकारी नौकरियों, ग्रुप सी और अराजपत्रित ग्रुप बी पदों के लिए साक्षात्कार, जिन पदों पर पारंपरिक रूप से एक साक्षात्कार का मतलब पक्षपात होता था और अक्सर रिश्वत दी जाती थी, को केंद्र सरकार के कार्यालयों में समाप्त कर दिया गया है। 24 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों ने भी इसका अनुसरण किया है। हमने पुरानी आवश्यकता को खत्मत कर दिया कि एक उम्मीदवार को एक सरकारी फॉर्म भरने के लिए भरोसा करने से पहले एक राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित और पुष्टि की जाए। यह एक औपनिवेशिक युग की प्रथा थी जो हर नागरिक को जालसाजी का दोषी मानती थी जब तक कि अन्यथा साबित न हो जाए। हम नौकरशाही औपचारिकता के लिए महीनों इंतजार करवाने के बजाय सफल उम्मीदवारों को पुलिस सत्यापन होने तक अस्थायी रूप से अपनी नई नौकरियों में शामिल होने देते हैं। हमने 1600 से अधिक अप्रचलित कानूनों को निरस्त कर दिया है, जिनका उद्देश्य केवल हमें यह याद दिलाना था कि हम पर पहले किसने शासन किया था। आज जब मैं युवा अधिकारियों से मिलता हूं, तो मैं उन्हें स्पष्ट रूप से बताता हूं कि मैंने इस साल की शुरुआत में उनसे क्यां कहा था: कि अभी भी दिमाग में सबसे बड़ा सुधार करने की आवश्यिकता यह है कि अपनी औपनिवेशिक मानसिकता को दूर किया जाए। जब प्रधानमंत्री ने हमारे मंत्रालय को नॉर्थ ब्लॉक, जिसका हर पत्थ र किसी साम्राज्यज पर शासन के लिए बिछाया गया था, से बाहर कर्तव्यथ भवन में स्थाकनांतरित किया, तो यह केवल पते में बदलाव नहीं था। यह एक वक्तरव्यस था कि भारत का कामकाजी शब्दथ कर्तव्य होना चाहिए, न कि नियंत्रण। इस सब के साथ-साथ एक शांत सुधार चल रहा है, जिसका उद्देश्य कार्यालय के बाहर के नागरिक के लिए नहीं बल्कि उन महिलाओं पर है जो कार्यालय को भीतर से चलाती हैं। स्वतंत्र भारत के इतिहास के अधिकांश समय में, सरकारी सेवारत महिलाओं को जन्म के समय अपने एक बच्चे को खो देने पर शोक मनाने के लिए कोई औपचारिक छुट्टी नहीं थी; आज वह साठ दिनों के विशेष मातृत्व अवकाश की हकदार है। यह एक ऐसी पात्रता है, जिसे हमने 2022 में प्रदान किया था। इसे मैं केवल करुणा की एक अतिदेय भावना कह सकता हूं, जिसे हमने तब से उन सभी माताओं को उपलब्धव कराया है जो सरोगेसी के माध्यम से भी अपने परिवार की देखरेख करती हैं। हम चाइल्ड केयर लीव की सुविधा का लाभ महिलाओं की हर पोस्टिंग तक उपलब्ध कराते हैं। यहां तक कि सरकार उसे विदेश यात्रा के लिए भी इसका उपयोग करने की अनुमति देती है। एक सिंगल मदर को एक कैलेंडर वर्ष में इसके छह अवसर देते हैं, जबकि दूसरों को केवल तीन की ही अनुमति दी जाती है। जो महिला जो अपने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रिपोर्ट करने का साहस करती है, वह अब नब्बे दिनों की छुट्टी की हकदार है, जबकि उसकी शिकायत की जांच अपना काम करती है, यह छुट्टी उसके अपने खाते से नहीं काटी जाती है। दिव्यांग महिला अधिकारियों को नवजात शिशु की परवरिश में मदद करने के लिए मासिक भत्ता मिलता है। सरकारी कर्मचारी के दिव्यांग बच्चे के लिए शिक्षा भत्ता दोगुना कर दिया गया है। इनमें से कुछ भी जीडीपी चार्ट में दिखाई नहीं देगा, लेकिन यह इस बात में दिखाई देता है कि क्या एक महिला अब सरकारी सेवा में बने रहने का विकल्प चुनती है जिससे वे एक लंबे समय तक चुपचाप बाहर रही थी। यह भी कि सिविल सेवा ईमानदारी से कह सकती है कि वह जेंडर समानता का वास्तव में अनुपालन करती है, न कि केवल साल में एक बार बैनर पर प्रदर्शित करती है।

बेशक, इनमें से कोई भी मायने नहीं रखता है, जब तक कि एक आम नागरिक के जीवन में कुछ न बदले, और ऐसा न हो। पिछले कुछ वर्षों में रोजगार मेलों के माध्यम से 12 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र दिए गए हैं, जो संपर्क और प्रभाव के पुरान? रिवाज के बिना वितरित किए गए हैं। मसूरी में एक कॉमन फाउंडेशन कोर्स है, जहां एक आईएएस अधिकारी और एक आईपीएस अधिकारी अपने अलग-अलग संवादहीनता को बनाए रखने के बजाय कंधे से कंधा मिलाकर प्रशिक्षण लेते हैं, ताकि जब वे वर्षों बाद किसी नागरिक से मिलें, तो वे तीन प्रतिस्पर्धी विभागों के बजाय एक सरकार के रूप में कार्य करें। यह सुविधा अब एक पेंशनभोगी के पास है, जो अब बैंक की कतार में खड़े होने के बजाय अपने घर से डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बना सकती है। एक युवा आकांक्षी छात्र के पास जो हर परीक्षा के लिए एक ही फॉर्म भरने के बजाय यूपीएससी पोर्टल पर एक बार पंजीकरण करता है। सरकारी सेवा में ओबीसी प्रतिनिधित्व 2014 से 19 प्रतिशत से बढ़कर 27 प्रतिशत हो गया है। अंग्रेजों ने हमें जो स्टील फ्रेम छोड़ा था, वह कभी भी रातोंरात नष्ट नहीं होने वाला था, और न ही होना चाहिए; संस्थाएं स्मृति को संजोती हैं और स्मृति के अपने उपयोग होते हैं। इन 12 वर्षों में हमने इसका पुनर्निर्माण करने की कोशिश की है, चुपचाप, अलग-अलग सेवाओं के माध्याम से, अलग-अलग नियमों के माध्यनम से, ताकि जिस ढांचे ने कभी एक साम्राज्य को संभाला था, वही अब उस व्यवस्था को सहारा दे सके, जिसका वादा हमारे संविधान ने वास्तव में अपने लोगों से किया था: ऐसी सरकार जो शासन करने के बजाय सेवा करे और केवल प्रशासन करने के बजाय जनता के प्रति उत्तीरदायी हो।

(लेखक केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री हैं)

पीके/केसी/एसकेजे/जीआरएस

एमएसएमई को मजबूत करने के लिए सुधारों का अगला चरण

सुश्री शोभा करंदलाजे

1 संसद के दोनों सदन में हाल ही में पारित किया गया सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास संसोधन विधेयक, 2026 एक बहुत ही महत्वपूर्ण बदलाव है। एमएसएमई राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। पिछले कुछ वर्षों में, एमएसएमई क्षेत्र ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। आज 'उद्यम पंजीकरण पोर्टल' पर 9 करोड़ से अधिक एमएसएमई पंजीकृत हैं, जो 40 करोड़ लोगों को रोजगार प्रदान करते हैं। एमएसएमई हमारी आर्थिकी में 31त्न तथा निर्यात में 50त्न योगदान देते हैं। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में एमएसएमई क्षेत्र की प्रमुख भागीदारी है। एमएसएमई भारत के विकास के सूत्रधार हैं। हाल के वर्षों में एमएसएमई क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है जो 'उद्यम' पर पंजीकृत उद्यमों की संख्या से ही स्पष्ट दिखती है, जो 1 अप्रैल 2023 को 1 करोड़ 65 लाख से बढ़कर 9 करोड़ से अधिक हो गए हैं। 2. वर्ष 2020 में, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के वर्गीकरण को, विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के बीच के अंतर को समाप्त करके, अधिक व्यापक और समावेशी बनाया गया था। इसके तहत टर्नओवर और निवेश दोनों पर आधारित एक समग्र मानदंड विकसित किया गया। इसके पश्चात वर्ष 2025 में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों की निवेश सीमा ढ़ाई गुना बढ़ाकर क्रमश: ढ़ाई करोड़, पच्चीस करोड़ और एक सौ पच्चीस करोड़ की गई है एवं टर्नओवर को दो गुना बढ़ाकर क्रमश: दस करोड़, सौ करोड़ और पांच सौ करोड़ किया गया, जिसने इन उद्यमों को पूंजी निवेश बढ़ाने, विकास और तकनीकी को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। 3. वित्त की उपलब्धता एमएसएमई क्षेत्र के विकास का सबसे महत्वपूर्ण घटक है। मंत्रालय एमएसएमई क्षेत्र के लिए बैंक ऋ्रण की उपलब्धता बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत रहा है और इसके उल्लेखनीय परिणाम दिख रहे हैं। एमएसएमई को प्रदान किया गया बकाया ऋ्रण, वर्ष 2014-15 में 10 लाख करोड़ रुपये था, जो कि अब बढ़कर 38 लाख 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। क्रेडिट गारंटी ट्रस्ट फॉर माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइजेज' (सीजीटीएमएसई), सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को दिए जाने वाले ऋ्रण पर गारंटी उपलब्ध कराता है। इसके ज़रिए वर्ष 2000 से 2022 के बीच, सूक्ष्म और लघु उद्यमों को दी गई क्रेडिट गारंटी 3 लाख 14 हजार करोड़ रुपये थी, जो पिछले चार वर्षों में अर्थात् 2022-23 से 2025-26 तक बढ़कर 10 लाख 43 हजार करोड़ रुपये से अधिक हो गई। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत, वित्त वर्ष 2014-15 से अब तक लगभग 8 लाख 34 हजार सूक्ष्म उद्यमों को 24 हजार 903 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी सब्सिडी दी गई है, जिससे अनुमानित 75 लाख लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। 4. एमएसएमई मंत्रालय की सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए सार्वजनिक खरीद नीति 2012 के अंतर्गत केंद्रीय मंत्रालय/विभाग/केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों (सीपीएसई) के लिए सूक्ष्म और लघु उद्यमों से सालाना 25त्न खरीद करना अनिवार्य है; इसमें महिला उद्यमियों के स्वामित्व वाली सूक्ष्म और लघु उद्यमों से 3त्न और एससी/एसटी उद्यमियों के स्वामित्व वाले सूक्ष्म और लघु उद्यमों से 4त्न खरीद शामिल है। विगत वर्षों में सूक्ष्म और लघु उद्यमों से खरीद में लगातार वृद्धि हुई है। वित्तीय-वर्ष 2020-21 में, सूक्ष्म और लघु उद्यमों से सार्वजनिक खरीद का मूल्य 40,717 करोड़ रुपये था जो कि वित्तीय-वर्ष 2025-26 में बढ़कर 1,15,801 करोड़ रुपये हो गया है, जो सीपीएसई द्वारा खरीद के लिए लक्षित 25 प्रतिशत की तुलना में 49 प्रतिशत से अधिक है। इसमें एससी/एसटी उद्यमियों के स्वामित्व वाले उद्यमों से 3,984 करोड़ रुपये की खरीद हुई और महिला उद्यमियों के स्वामित्व वाली उद्यमों से 9,059 करोड़ रुपये की खरीद हुई है। 5. एमएसएमई को उनका भुगतान समय पर दिलाने हेतु मंत्रालय ने कई सार्थक प्रयास किए हैं, ट्रेड्स इनमें से एक है। यह भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा विनियमित एक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म है, जिसे भारत में एमएसएमई की लिक्विडिटी (नकदी) संबंधी चुनौतियों तथा कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से वर्ष 2017 में शुरु किया गया था। ट्रेड्स प्लेटफ़ॉर्म ने एमएसएमई क्षेत्र को मार्च 2026 तक 8,71,000 करोड़ रुपये की इनवॉइस डिसकाउंटिंग के माध्यम से समय पर भुगतान दिलवाया है। ट्रेड्स प्लेटफ़ॉर्म से जुड़े एमएसएमई की संख्या अप्रैल 2022 में 34,430 थी, जो मार्च 2026 तक बढ़कर 2,55,000 से अधिक हो गई है। वहीं, एमएसएमई की इनवॉइस डिसकाउंटिंग की राशि वर्ष 2021-22 में 40,000 करोड़ रुपये से बढ़कर, वित्त वर्ष 2025-26 में 3,47,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। ट्रेड्स पर इनवॉइस डिसकाउंटिंग का बढ़ता चलन, भारत सरकार के एमएसएमई के समयबद्ध भुगतान के प्रति संकल्प को दर्शाता है। 6. इसी दिशा में विलंबित भुगतान और उससे जुड़े विवादों के निपटारे हेतु पूरे देश में 161 सूक्ष्म और लघु उद्यम सुविधा परिषद (एमएसईएफसी) स्थापित किए गए हैं। संशोधन में राज्यों को एमएसईएफसी की संरचना तय करने के लिए सक्षम बनाने के लिये प्रावधान लाए गए हैं जिससे आवश्यकतानुसार एमएसईएफसी का गठन किया जा सके। संबंधित पक्षों में समझौते के साथ विवाद सामाधान के पर्याप्त उपाय किए गए हैं। यह संशोधन विधेयक ऑनलाइन विवाद समाधान (ओडीआर) को सक्षम एवं सशक्त बनाता है, ताकि संबंधित पक्षों द्वारा अपने विवादों का समयबद्ध और किफायती तरीके से हल सुनिश्चित किया जा सके। 7. एमएसएमई मंत्रालय महिला उद्यमियों के विकास को बढ़ावा देने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। मंत्रालय की अनेक योजनाओं में महिलाओं के लिए विशेष प्रावधान है। आज उद्यम पोर्टल पर 39त्न से अधिक एमएसएमई महिलाओं के स्वामित्व में हैं, यानि 3.38 करोड़ के लगभग एमएसएमई महिला स्वामित्व में हैं और जिनकी संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। क्रेडिट गारंटी योजना के तहत, महिलाओं के लिए 90त्न तक गारंटी कवरेज है और सालाना गारंटी फीस में 10त्न तक की छूट प्रदान की जाती है। खरीद और विपणन सहायता योजना के तहत ट्रेड फेयर में महिला उद्यमियों की भागीदारी पर 100त्न सब्सिडी दी जाती है, जबकि दूसरे उद्यमियों के लिए यह 80त्न है। पीएमईजीपी में ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को 35 प्रतिशत व शहरी क्षेत्र की महिलाओं को 25 प्रतिशत की सब्सिडी देने का प्रावधान है। अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति का विकास, मंत्रालय की प्राथमिकता है। आज उद्यम पर 1.24 करोड़ से अधिक एमएसएमई, अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति के उद्यमी के स्वामित्व में हैं। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति हब योजना, एमएसएमई मंत्रालय की एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है, जिसे 2016 में माननीय प्रधानमंत्री ने शुरू किया था। इस योजना का उद्देश्य अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों की क्षमता बढ़ाना और उनके बीच उद्यमिता संस्कृति को बढ़ावा देना है। 8. मंत्रालय की इन निरंतर पहलों और प्रयासों को और सशक्त बनाने के लिए एमएसएमई विकास संशोधन विधेयक, 2026 पास किया गया है। इसका उद्देश्य है—एमएसएमई क्षेत्र की मौजूदा चुनौतियों का समाधान करना, प्रशासनिक ढांचे में सुधार करना, व्यापार करने में सुगमता (ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस) और नियमों का अनुपालन करने को बढ़ावा देना। इसके मुख्य घटक हैं: सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमो के नि:शुल्क एवं स्वैच्छिक रजिस्ट्रेशन के लिए एक राष्ट्रीय डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म को अधिसूचित करने की व्यवस्था करना। टर्नओवर और निवेश आधारित एमएसएमई वर्गीकरण को वैधानिक रूप देना। एमएसएमई की लिक्विडिटी (नकदी) से जुड़ी समस्याओं को हल करना। सभी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसई) के लिए यह अनिवार्य किया गया है कि वे एमएसएमई से खरीद के लिए इनवॉइस का निपटान ट्रेड्स के ज़रिए करें। साथ ही, राज्य सरकारों को भी अपने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए इसी प्रकार के प्रावधान अपनाने हेतु सशक्त किया गया है; राज्य सरकारों को सूक्ष्म और लघु उद्यम सुविधा परिषद (एमएसईएफसी) की संरचना को युक्तिसंगत बनाकर और अधिक एमएसईएफसी की स्थापना करने की सुविधा प्रदान करना; 1. सूक्ष्म और लघु उद्यमो के पेमेंट में देरी से जुड़े विवादों के तेज़ी से निपटारे के लिए समय-सीमा तय करना;1. मध्यस्थता से हुए समझौते या आरबिट्रल अवॉर्ड की वसूली 'भूमि राजस्व के बकाया' के रूप में वसूलने की व्यवस्था करना; अगर डिक्री, अवॉर्ड या आदेश को रद्द करने का आवेदन छह महीने से अधिक समय से लंबित है, तो अदालतों को यह आदेश देने का अधिकार देना कि सूक्ष्म और लघु उद्यम सप्लायर्स को अवॉर्ड की गई राशि का कम से कम पचास प्रतिशत भुगतान किया जाए; कुछ प्रावधानों के उल्लंघन को अपराध की श्रेणी से हटाना (डिक्रिमिनलाइज़ करना) और दोषसिद्धि-आधारित जुर्माने की जगह अलग-अलग स्तर के दंड लागू करना, जिसमें पहली बार उल्लंघन पर चेतावनी देना भी शामिल है। यह संशोधन हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श और संबंधित मुद्दों की सावधानीपूर्वक जांच के बाद किया गया है। समावेशी, टिकाऊ और रोज़गार-प्रधान आर्थिक विकास हासिल करने के लिए एक मज़बूत एमएसएमई सेक्टर ज़रूरी है। ये संशोधन 'विकसित भारत 2047' के विज़न के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप हैं। इस से उद्यमों के औपचारिकीकरण को बढ़ावा मिलेगा, उनके विस्तार का मार्ग प्रशस्त होगा और वे विकास के 'चैंपियन' बन सकेंगे।

(लेखिका केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय में राज्य मंत्री हैं।)

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, बुधवार 19 अगस्त 2026
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

वस्तुत्व महाकाव्य' पर राष्ट्रीय जैन विद्वत्संगोष्ठी संपन्न

■ देशभर के मूर्धन्य विद्वानों ने किया गहन दार्शनिक मंथन, पूज्य समत्वसागर जी महाराज की प्रथम कृति 'समत्व की अंतर्यात्रा' का हुआ विमोचन

आगरा (विश्व परिवार)। अध्यात्मशिरोमणि पट्टाचार्यश्री 108 विशुद्धसागर जी महाराज द्वारा रचित महत्वपूर्ण दार्शनिक कृति 'वस्तुत्व महाकाव्य' पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय जैन विद्वत्संगोष्ठी का आयोजन 16 एवं 17 अगस्त को निर्मल सेवा सदन, छीपीटोला, आगरा में भव्य एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। संगोष्ठी को अध्यात्मशिरोमणि पट्टाचार्यश्री विशुद्धसागर जी महाराज का मंगल आशीर्वाद तथा परमप्रभावक श्रमणश्री समत्वसागर जी महाराज, श्रमणश्री शीलसागर जी महाराज एवं श्रमणश्री सुप्रभातसागर जी महाराज का पावन सान्निध्य प्राप्त हुआ।

संगोष्ठी का विशेष आकर्षण परमप्रभावक श्रमणश्री समत्वसागर जी महाराज की प्रथम कृति 'समत्व की अंतर्यात्रा' का देश के मूर्धन्य विद्वानों द्वारा गरिमामय विमोचन रहा। इस अवसर पर विद्वानों ने कृति को अध्यात्म, आत्मचिंतन एवं समत्व की दिशा में प्रेरित करने वाली महत्वपूर्ण रचना बताते हुए इसके प्रकाशन को जैन साहित्य जगत के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। 'समत्व की अंतर्यात्रा' के विमोचन ने पूरे आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की।

संगोष्ठी में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिष्ठित विद्वानों, साहित्यकारों एवं शोधकर्ताओं ने 'वस्तुत्व महाकाव्य' के दार्शनिक, आध्यात्मिक, साहित्यिक एवं समकालीन पक्षों पर शोधपरक आलेख प्रस्तुत करते हुए गहन विचार-विमर्श किया। विद्वानों ने कृति को भारतीय ज्ञान-परंपरा की एक महत्वपूर्ण एवं मौलिक दार्शनिक-साहित्यिक उपलब्धि बताते हुए इसकी वर्तमान समय में प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

चार सत्रों में हुआ विद्वत् विमर्श

संगोष्ठी के प्रथम सत्र का संचालन डॉ. पंकज शास्त्री, इंदौर ने किया। अध्यक्षता डॉ. श्रेयांस कुमार, बड़ौत ने की तथा प्रो. अशोक कुमार, वाराणसी सारस्वत अतिथि रहे। प्रथम सत्र में प्रो. अनेकान्त जैन, दिल्ली, डॉ. सुरेन्द्रकुमार भारती, बुरहानपुर एवं प्रो. वीरसागर, दिल्ली ने अपने आलेख प्रस्तुत किए।

द्वितीय सत्र का संचालन डॉ. आशीष जैन बम्हौरी ने किया। अध्यक्षता प्रो. वीरसागर ने की तथा पं. विनोद रजवांस सारस्वत अतिथि रहे। इस सत्र में विद्वत्श्री विकर्ष शास्त्री, डॉ. आशीष जैन शाहगढ़, डॉ. सुनील जैन 'संचय', ललितपुर एवं प्रो. अशोक कुमार, वाराणसी ने शोधपरक आलेख प्रस्तुत किए।

तृतीय सत्र का संचालन डॉ. सुनील जैन 'संचय', ललितपुर ने किया। अध्यक्षता प्रो. अशोक कुमार, वाराणसी ने की तथा डॉ. श्रेयांस कुमार, बड़ौत सारस्वत अतिथि रहे। सत्र में पं. विनोद कुमार रजवांस, डॉ. नलिन के. शास्त्री एवं डॉ. श्रेयांस कुमार, बड़ौत ने अपने आलेख प्रस्तुत किए।

चतुर्थ एवं समापन सत्र का संचालन डॉ . अभिषेक जैन व कवि हृदय विकर्ष शास्त्री जी ने किया। डॉ. सुरेन्द्रकुमार भारती सारस्वत अतिथि रहे। इस सत्र में डॉ. आशीष जैन बम्हौरी, डॉ. नीलम सर्राफ डॉ. अमित जैन 'आकाश', वाराणसी एवं डॉ. अभिषेक जैन शिक्षाचार्य, दमोह ने अपने विचार एवं शोधपरक आलेख प्रस्तुत किए।

अजय काले को 'समाज निर्माण गौरव सम्मान'

■ महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष ने कहा- यह सम्मान मंडल का, मेरा नहीं, अगला लक्ष्य गुरुकल और गौशाला शुरू करना

रायपुर (विश्व परिवार)। महाराष्ट्र मंडल में सतत् 16 वर्षों से, नौ कार्यकाल में निर्विरोध निर्वाचित, यशस्वी अध्यक्ष अजय मधुकर काले का प्रभा फाउंडेशन ने सम्मान किया। रविवार को समाजसेवियों से खचाखच भरे विमतारा सभागृह में आयोजित भव्य समारोह में काले को यह 'समाज निर्माण गौरव सम्मान' विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, सांसद बृजमोहन अग्रवाल और रायपुर पश्चिम के विधायक राजेश मूणत ने दिया। इस मौके पर विभिन्न क्षेत्रों के नि:स्वार्थ भाव से जरूरतमंद लोगों की सेवा कर रहे 51 विभूतियों और संस्थाओं को भी सम्मानित किया गया। सुप्रसिद्ध नेत्र विशेषज्ञ और अंध श्रद्धा निर्मूलन समिति के संस्थापक डॉ. दिनेश मिश्रा को लाइफ टाइम एचिवमेंट अवार्ड दिया गया।

मुख्य अतिथि डॉ. रमन सिंह ने समूचे आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि राजधानी में डॉ. त्रिवेदी परिवार की ओर प्रभा फाउंडेशन के रूप में समाजसेवा के नए अवसर बनेंगे। इसका लाभ अधिकाधिक गरीब और जरूरतमंदों को होगा। उन्होंने सम्मानित की जाने वाली विभूतियों के संदर्भ में प्रभा फाउंडेशन को साधुवाद देते हुए कहा कि अनेक क्षेत्रों में समाजसेवा कर रहे स्थापित बड़े नामों को आप लोगों ने ढूंढकर निकालें हैं। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने अपने सारगर्भित संबोधन में कहा कि समाजसेवियों का सम्मान आज की जरूरत है। ऐसे आयोजनों व दशकों से मानवसेवा में लगे लोगों को सम्मानितए कर प्रभा फाउंडेशन युवा पीढ़ी का ध्यान उनकी ओर आकर्षित कर रही है और उन्हें प्रेरित भी कर ही है। अच्छे संस्कारों के साथ युवा लोगों की मदद करने और उन्हें आगे बढ़ाने की भावना के साथ काम करें, तो हम अपने देश के लिए एक अच्छे भविष्य की अपेक्षा कर सकते हैं।

'समाज निर्माण गौरव सम्मान' से सम्मानित होने के बाद अजय मधुकर काले ने कहा कि असल में यह सम्मान 91 वर्षों से सतत् समाजसेवा में सक्रिय विश्वसनीय महाराष्ट्र मंडल का सम्मान है, मेरा नहीं।

कचनेर में चिंतामणि पार्श्वनाथ का महामस्तकाभिषेक उत्साहपूर्वक संपन्न

छत्रपति संभाजीनगर (विश्व परिवार)। कचनेर स्थित श्री 1008 चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र में महामस्तकाभिषेक समारोह उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। ठोले परिवार की ओर से सुबह भगवान श्री 1008 चिंतामणि पार्श्वनाथ को 1008 नारियल अर्पित कर सामूहिक पूजन के साथ समारोह का शुभारंभ किया गया।

इसके बाद बोली कार्यक्रम आयोजित किया गया। इंद्र-इंद्राणियों के हस्ते भगवान चिंतामणि पार्श्वनाथ का पंचामृत महामस्तकाभिषेक किया गया। इंद्र-इंद्राणी एवं शांतिधारा का सौभाग्य लासूर स्टेशन निवासी सुभाषचंद्र, आशीषकुमार एवं रियांशकुमार ठोले परिवार को प्राप्त हुआ। दूध अभिषेक का सौभाग्य सौ. रिंकू भूषणकुमार कासलीवाल को प्राप्त हुआ। अभिषेक समारोह के बाद सुभाषचंद्र, आशीषकुमार, रियांशकुमार, सौ. शोभाबाई सुभाष ठोले, सौ. नूतन आशीषकुमार ठोले, कु. रिशु एवं चि. रियांश ठोले परिवार (लासूर) की ओर से श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरित किया गया।

इस धार्मिक कार्यक्रम में चांदवड़ के नगराध्यक्ष भूषणकुमार जयचंद कासलीवाल सहित समाजबंधु, कचनेर अतिशय क्षेत्र के ट्रस्ट मंडल एवं कार्यकारिणी मंडल के पदाधिकारी उपस्थित रहे। यह जानकारी नरेंद्र अजमेरा एवं पियुष कासलीवाल ने दी।

वीराचार्य बाबासाहेब कुचनुरे जी के पुण्यतिथी के पावन अवसर पर कुंभोज में भव्य शोभायात्रा

कुंभोज (विश्व परिवार)। आचार्य चंद्रप्रभ सागर जी महाराज जी के आशिर्वाद एवं मार्गदर्शन से कुंभोज में शाकाहार का प्रचार प्रसार करने हेतू एवं व्यसनमुक्ती के लिए वीराचार्य बाबासाहेब कुचनुरे जी के पुण्यतिथी के पावन अवसर पर कुंभोज में भव्य शोभायात्रा निकाली।

आचार्य चंद्रप्रभ सागर जी महाराज जी ने कहा की वीराचार्य ड. बाबासाहेब कुचनुरे जी एक महान जैन समाज सुधारक और वीर सेवा दल के प्रमुख प्रेरणा स्रोत थे। उन्होंने आजन्म ब्रह्मचारी रहकर दिगंबर जैन समाज के युवाओं को संगठित करने, शाकाहार, व्यसनमुक्ति और आदर्श नेतृत्व के विकास में अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया।

वीराचार्य बाबासाहेब कुचनुरे जी के पुण्यतिथी कार्यक्रम में माननीय नामदार प्रकाशजी आबिटकर (सार्वजनिक आरोग्य एवं कुटुंब कल्याण मंत्री तथा पालकमंत्री कोल्हापूर जिल्हा), मा. सांसद धैर्यशील माने (दादा) (खासदार, हातकणंगले लोकसभा मतदारसंघ), मा. विधायक राहुल प्रकाश आवाडे जी, मा. विधायक अशोकराव माने (बापू), माननीय श्री इंद्रजीत देशमुख (काकाजी) मुख्य वक्ता , पूर्व सनदी अधिकारी आय ए एस उपस्थित थे।

कुंभोज के श्रावक बा. ब्र श्री संदीप पाटील भैया जी ने बताया कि कुंभोज में रवीवार को जैन समाज ने विराचार्य बाबासाहेब कुचनुरे जी की पुण्यतिथी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई। इस अवसर पर पार्श्वनाथ जैन मंदिर से एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यह यात्रा कुंभोज के प्रमुख मार्गों से होते हुए आदिनाथ मंदिर पर समाप्त हुई। शाकाहार एवं व्यसनमुक्ती रॅली में सहभागिता कर आत्मिक शांति एवं दिव्य आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव हुआ।

शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण 24 रथ थे । कई जिन प्रतिमाओं को आकर्षक रथों पर विराजमान किया गया था। शोभायात्रा में घोड़ा, बग्गी, दिव्य घोष और धर्म ध्वजा लिए महिला मंडल भी शामिल थे । जैन समाज की महिलाएं सफेद ड्रेस कोड में यात्रा का हिस्सा बनीं। सभी पुरुष वर्ग विशेष सफेद वस्त्र पहनकर उसपर विराचार्य लिखी हुई टोपी पेहने थे।

संयम, समर्पण और विवेक से जीवन को बनाएं सार्थक : साध्वी मंजुला श्रीजी

■ अध्यात्म सार ग्रंथ से जीवन को संयम, समर्पण और विवेक की दिशा देने का साध्वी जी ने दिया संदेश

रायपुर (विश्व परिवार)। आत्म उत्क्रांति आध्यात्मिक चातुर्मास-2026 के अंतर्गत दादाबाड़ी में अध्यात्म सार ग्रंथ का पठन करते हुए प्रवचन प्रभाविका साध्वी मंजुला श्रीजी म.सा. ने विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से जीवन को धर्म, संयम, विवेक, कृतज्ञता, समर्पण और आत्मचिंतन से जोड़ने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि समय अनमोल है और किसी के लिए रुकता नहीं। इसलिए जीवन के प्रत्येक क्षण का सदुपयोग प्रभु भक्ति और आत्मकल्याण में करना चाहिए।

साध्वीश्री ने कहा कि आज व्यक्ति भविष्य की प्लानिंग तो करता है, लेकिन अपने जीवन में संयम और धर्म की योजना बनाना भूल जाता है। इच्छाओं और विषयों के पीछे भागने से मनुष्य की व्याकुलता बढ़ती है, जबकि अपने भीतर झांकने की व्याकुलता और साधना के प्रति समर्पण आवश्यक है। हनुमानजी और माता सीता के सिंदूर के प्रसंग के माध्यम से उन्होंने समझाया कि सच्चा समर्पण अहंकार को छोड़कर प्रभु के प्रति पूर्ण निष्ठा रखने से आता है।

उन्होंने चिंतन और मनन की महत्ता बताते हुए कहा कि सही दिशा में किया गया चिंतन व्यक्ति को ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है। दूसरों की अपेक्षाएं पूरी करने का भाव मैत्री भाव है और सम्यक दर्शन की सम्मुखता होने पर जीवन में मैत्री का उदय होता है।

संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत कांग्रेस की बैठक संपन्न

■ पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से मिले जिला पर्यवेक्षक राघवेंद्र कुमार सिंह

तालबेहट (विश्व परिवार)। कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और आगामी संगठनात्मक गतिविधियों को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को कांग्रेस कार्यालय तालबेहट में ब्लॉक एवं नगर कांग्रेस कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक प्रदेश कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे 'संगठन सृजन कार्यक्रम' के तहत संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ के विधायक एवं जिला पर्यवेक्षक राघवेंद्र कुमार सिंह ने की।

बैठक में पहुंचने पर कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने जिला पर्यवेक्षक राघवेंद्र कुमार सिंह का स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने ब्लॉक एवं नगर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर संगठन की वर्तमान स्थिति, जमीनी स्तर पर संगठन की सक्रियता तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की।

जिला पर्यवेक्षक ने कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए कहा कि कांग्रेस संगठन की वास्तविक ताकत उसके कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय के साथ बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, आम जनता के बीच लगातार संपर्क बनाए रखने तथा पार्टी की नीतियों एवं कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता की सक्रिय भूमिका आवश्यक है।

बैठक के दौरान स्थानीय स्तर पर संगठन को और अधिक प्रभावी बनाने, कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने तथा आने वाले समय में कांग्रेस के कार्यक्रमों को मजबूती के साथ संचालित करने को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। जिला पर्यवेक्षक ने उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की समस्याओं एवं सुझावों को भी सुना तथा संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस का संगठन गांव, वार्ड और बूथ स्तर तक मजबूत होना चाहिए। इसके लिए कार्यकर्ताओं को लगातार जनता के संपर्क में रहकर उनकी समस्याओं को समझना और उनके समाधान के लिए संघर्ष करना होगा।

नई उड़ान के साथ शुभम के मार्ट का 7वाँ वार्षिक सम्मेलन संपन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। शुभम के मार्ट प्राइवेट लिमिटेड का 7वाँ वार्षिक सम्मेलन - वित्तीय वर्ष 2025-26, 18 अगस्त 2026 को प्रधान कार्यालय, रायपुर में उत्साह और गौरव के साथ आयोजित किया गया। इस वर्ष के कार्यक्रम की विषय-वस्तु 'नई उड़ान' रही, जिसका संदेश था - 'हर व्यक्ति योगदान दे सकता है और हर व्यक्ति बेहतर परिणाम दे सकता है।'

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्ष श्री विजय कंकरीया जी एवं निदेशक श्री शुभम कंकरीया जी उपस्थित रहे। उनके साथ क्षेत्र प्रमुख, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष तथा छत्तीसगढ़ क्षेत्र के सभी शुभम के मार्ट स्टोरों के स्टोर प्रबंधक और सहायक स्टोर प्रबंधक की टीमों ने भाग लिया। स्टोर और प्रधान कार्यालय एवं कॉर्पोरेट टीम के वर्ष के सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

यह वार्षिक सम्मेलन कर्मचारियों की मेहनत, समर्पण और टीम भावना को पहचान देने का एक महत्वपूर्ण अवसर रहा। कार्यक्रम में बिक्री एवं संचालन ङ्क लक्ष्य बनाम उपलब्धि, सर्वश्रेष्ठ स्टोर प्रबंधक एवं सहायक स्टोर प्रबंधक, वर्ष का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी 2025-26, क्षेत्रवार प्रदर्शन, स्टोर प्रशंसा, कॉर्पोरेट एवं प्रधान कार्यालय प्रशंसा तथा विभिन्न विभागों के उत्कृष्ट प्रदर्शन सहित कई श्रेणियों में पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किए गए।

शुभ भाव मेहमान, अशुभ भाव चोर के समान: मुनिश्री संवेगरत्न सागर म.सा.

रायपुर (विश्व परिवार)। विवेकानंद नगर स्थित ज्ञानवल्लभ उपाश्रय में जारी सर्वमंगलमय वर्षावास में मंगलवार को भगवान नेमिनाथ के दीक्षा कल्याणक दिवस के अवसर पर विशेष प्रवचनमाला हुई। परम पूज्य मुनिश्री संवेगरत्न सागर जी म.सा. ने धर्मसभा में भगवान नेमिनाथ के जीवन और उनके संदेशों के माध्यम से जीव दया,अहिंसा और करुणा का महत्व बताया।

मुनिश्री ने कहा कि जीव हिंसा से जीवन में सावधान रहना चाहिए। नासमझी में भी किया गया जीव हिंसा का कार्य व्यक्ति को इसी भव में भुगतना पड़ता है। जीव दया का बोध प्राप्त करने से दुख, दुर्गति और पीड़ा से मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

मुनिश्री ने कहा कि भगवान नेमिनाथ ने अपने जीवन के माध्यम से प्रत्येक जीव के प्रति संवेदना और दया का भाव रखने की प्रेरणा दी। संसार के सभी जीवों के प्रति करुणा रखना और किसी भी प्राणी को कष्ट नहीं पहुंचाना उनके जीवन का महत्वपूर्ण संदेश रहा है।

मुनिश्री ने कहा कि शुभ भाव मेहमान के समान होते हैं, जो बुलाने पर आते हैं, जबकि अशुभ भाव चोर के समान होते हैं, जो बिना बताए आ जाते हैं। इसलिए मनुष्य को अपने भावों और विचारों पर सजग निगाह रखनी चाहिए। यदि विवेक जागृत नहीं होगा और व्यक्ति कुंठित मानसिकता में आगे बढ़ता रहेगा तो दुख की परंपरा चलती रहेगी।

मुनिश्री ने कहा कि जीवन में विवेक जागृत करना अत्यंत आवश्यक है। सही और गलत के बीच अंतर समझने की क्षमता ही मनुष्य को सही दिशा प्रदान करती है। जीवन में सुख-दुख आते-जाते रहते हैं, लेकिन विवेक जागृत होने पर व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों में भी संतुलित रहकर सही निर्णय ले सकता है। मुनिश्री ने कहा कि विवेक के अभाव में व्यक्ति अपनी नकारात्मक सोच और मानसिक उलझनों में फंसता चला जाता है। बाहरी परिस्थितियों को बदलने से पहले मनुष्य को अपने भीतर परिवर्तन लाने की आवश्यकता है।

शिक्षक श्री गुरु प्रसाद का निलंबन तत्काल वापस हो : शैक्षिक महासंघ

■ अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय इकाई ने कलेक्टर को दिया ज्ञापन

रायपुर (विश्व परिवार)। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के आह्वान पर कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय इकाई ने आज जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर माननीय प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन जिला कलेक्टर को सौंपा। ज्ञापन में केरल के कासरगोड जिले के कुंबला सब-डिस्ट्रिक्ट में आयोजित विद्यालयी सामाजिक विज्ञान प्रश्नोतरी में स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर से संबंधित प्रश्न पूछे जाने पर शिक्षक श्री गुरु प्रसाद के निलंबन को तत्काल एवं अविलंब वापस लेने की मांग की गई।

इकाई के अध्यक्ष डॉ. नरेन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि सावरकर भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक व्यक्तित्व हैं। उनके क्रांतिकारी जीवन, ब्रिटिश शासन द्वारा दिए गए कठोर दंड तथा अंडमान की सेलुलर जेल में उनके कारावास का अध्ययन इतिहास का स्वाभाविक हिस्सा है। सावरकर पर प्रश्न पूछना न अपराध है, न अनुशासनहीनता और न किसी राजनीतिक मत का प्रचार। उनके विचारों से सहमति-असहमति का अधिकार सभी को है, लेकिन किसी ऐतिहासिक व्यक्तित्व को इतिहास से बाहर नहीं किया जा सकता।

उपाध्यक्ष डॉ. आकांक्षा दुबे ने कहा कि यदि संबंधित प्रश्नावली उप जिला शिक्षा अधिकारी के स्तर पर अनुमोदन के बाद विद्यालयों में प्रसारित की गई थी, तो किसी कथित त्रुटि के लिए केवल प्रश्न तैयार करने वाले शिक्षक को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं है। प्रश्न की तैयारी, स्रोत, जांच और अनुमोदन की पूरी प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। जांच पूरी होने से पहले निलंबन जैसी कठोर कार्रवाई शिक्षक समुदाय में भय और आत्म-सेंसरशिप का वातावरण पैदा कर सकती है।

उन्होंने कहा कि एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व से संबंधित प्रश्न को लेकर शिक्षक का निलंबन वैचारिक एवं राजनीतिक पूर्वाग्रह की आशंका उत्पन्न करता है। शिक्षा को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखना आवश्यक है। शिक्षक का दायित्व विद्यार्थियों को किसी विचारधारा की ओर ले जाना नहीं, बल्कि उन्हें प्रश्न करने, तर्क करने, प्रमाणों की जांच करने और विभिन्न दृष्टिकोणों को समझने के लिए सक्षम बनाना है।

शैक्षिक महासंघ ने कहा कि भारत का स्वतंत्रता आंदोलन किसी एक राजनीतिक दल अथवा विचारधारा की संपत्ति नहीं है। गांधी, सुभाषचंद्र बोस, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, सरदार पटेल, लोकमान्य तिलक, श्री अरविंद, सावरकर सहित असंख्य राष्ट्रभक्तों के योगदान से भारत की स्वतंत्रता की राष्ट्रीय गाथा निर्मित हुई है। विद्यार्थियों को स्वतंत्रता आंदोलन की विभिन्न धाराओं और प्रमुख व्यक्तित्वों का तथ्य आधारित एवं समग्र अध्ययन कराया जाना चाहिए। महासंघ ने यह भी कहा कि स्वतंत्र भारत में विभिन्न सरकारों और राजनीतिक विचारधाराओं द्वारा सावरकर को सार्वजनिक जीवन में ऐतिहासिक व्यक्तित्व के रूप में स्वीकार किया गया है।

प्रदेश में अपराधी बेलगाम हो गए और कानून व्यवस्था बदहाल हो गयी : दीपक बैज

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश की बिगड़ चुकी कानून व्यवस्था अब असहनीय हो गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि प्रदेश में सिस्टम पूरी तरह फेल हो गया है। प्रदेश में हर दिन 6 हत्या, 8 बलात्कार की घटना हो रही है। मुख्यमंत्री और गृह मंत्री को फोटोसेशन से फुर्सत नहीं है। आम आदमी की सुरक्षा की किसी को चिंता नहीं सक्ती में एक युवती को उसके घर में घुसकर गोली मार दी गयी थी। उसके पहले कोरिया के सोनहत में चार व्यक्तियों को जिंदा जला दिया गया। जैजेपुर में दो भाइयों को घर में घुसकर गोली मार दिया गया। पेण्ड्रा के कोटमी बाजार में सराफ कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, बुधवार 19 अगस्त 2026

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की संवेदनशील पहल से अविनाश को मिला नया जीवन

■ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर डीकेएस अस्पताल रायपुर में हुआ सफल उपचार

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की संवेदनशील पहल जरूरतमंद परिवारों के जीवन में आशा और विश्वास का संचार कर रही है। बगिया स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के साथ ही गंभीर बीमारी से जूझ रहे आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए भी लगातार सहायता दी जा रही है। इसी संवेदनशील पहल से फरसाबहार विकासखंड के ग्राम पंडरीपानी निवासी 21 वर्षीय अविनाश नायक का रायपुर के डीकेएस अस्पताल में सफल उपचार संभव हो सका है।

स्वस्थ होने के बाद अविनाश आज मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया पहुंचे और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से मुलाकात कर उनके प्रति आभार व्यक्त किया। अविनाश ने मुख्यमंत्री को बताया कि उपचार के बाद उनकी स्थिति में काफी सुधार आया है और अब वे पहले की तुलना में कहीं अधिक सहजता से चलने-फिरने के साथ अपने दैनिक कार्य कर पा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने उनके स्वस्थ होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल और स्वस्थ भविष्य की कामना की।

जन्म से थी परेशानी, आर्थिक तंगी के कारण नहीं हो पा रहा था उपचार

अविनाश नायक को जन्म से ही बाएं पैर के अंगूठे और एक अन्य अंगुली में मांसपेशियों एवं हड्डी के असामान्य रूप से बढ़ने की समस्या थी। उम्र बढ़ने के साथ यह परेशानी भी बढ़ती गई। इससे उन्हें चलने-फिरने और रोजमर्रा के काम करने में कठिनाई होने लगी। उपचार की आवश्यकता होने के बावजूद परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति उनके सामने सबसे बड़ी बाधा बनी हुई थी।

कुछ वर्ष पूर्व अविनाश ने उपचार के लिए जिला अस्पताल में चिकित्सकों से संपर्क किया। जांच के बाद चिकित्सकों ने बेहतर उपचार एवं ऑपरेशन के लिए किसी बड़े चिकित्सा संस्थान में जाने की सलाह दी। परिवार के लिए इलाज और ऑपरेशन का खर्च वहन करना संभव नहीं था। ऐसे में बेहतर उपचार की उम्मीद लिए अविनाश ने मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया में अपनी समस्या बताते हुए सहायता के लिए आवेदन किया।

कैंप कार्यालय ने दिखाई तत्परता, रायपुर में कराया उपचार

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय ने अविनाश की समस्या को गंभीरता और संवेदनशीलता से लेते हुए उनके उपचार के लिए तत्काल आवश्यक पहल की। उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए रायपुर भेजा गया, जहां डीकेएस अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में उनका उपचार और ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया।

सफल उपचार ने अविनाश के जीवन की एक बड़ी परेशानी दूर कर दी है। लंबे समय से जिस शारीरिक समस्या के कारण उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था, उससे अब काफी राहत मिली है। वे सामान्य दिनचर्या की ओर लौट रहे हैं।

मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान अविनाश ने भावुक होकर बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि वे किसी बड़े अस्पताल में जाकर अपना उपचार करा सकें। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में आवेदन देने के बाद उनकी समस्या पर गंभीरता से पहल हुई और रायपुर के डीकेएस अस्पताल में सफल उपचार कराया गया।

आईसीएसआई रायपुर चैप्टर ने एक दिवसीय सेमिनार के साथ मनाया 28वां स्थापना दिवस

रायपुर (विश्व परिवार)। द इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफइंडिया (आईसीएसआई) के रायपुर चैप्टर ने 16 अगस्त 2026 को हयात रायपुर में अपना 28वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर कॉर्पोरेट और तकनीक-संचालित परिवेश में कंपनी सेक्रेटरीज की बदलती भूमिका पर केंद्रित एक फुल-डे सेमिनार का भव्य आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ के आयकर आयुक्त श्री ऋतुपर्ण नामदेव ने शिरकत की। उनके साथ मंच पर आईसीएसआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष सीएस पवन जी चांडक, आईसीएसआई के केंद्रीय परिषद सदस्य सीएस आशीष कड़ोदिया, डब्लूआईआरसी-आईसीएसआई के चेयरमैन सीएस योगेश चौधरी, आईसीएसआई रायपुर चैप्टर के चेयरमैन सीएस वैभव मोहदीवाले और आईसीएसआई रायपुर चैप्टर की सचिव सीएस रिया थौरानी उपस्थित रहीं।

'फ्रॉम विजन टू लिस्टिंग' विषय पर आयोजित पहला तकनीकी सत्र सीएस शिखा राय और सीएफए मनीष बंसल द्वारा संचालित किया गया। इस सत्र में आईपीओ की तैयारियों, वैल्यूएशन, कॉर्पोरेट गवर्नेंस, विनियामक अनुपालनों (रेगुलेटरी कंप्लायंस) और एक विकासशील उद्यम से सूचीबद्ध (लिस्टेड) कंपनी बनने तक के सफर में कंपनी सचिवों की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई।

'एआई युग में कंपनी सेक्रेटरीज' विषय पर दूसरा सत्र सीएस अंशुल कुमार जैन द्वारा संबोधित किया गया। उन्होंने कॉर्पोरेट अनुपालन और गवर्नेंस पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रभाव तथा कंपनी सचिवों की निरंतर बदलती और उभरती भूमिका पर प्रकाश डाला।

प्रेस से बातचीत के दौरान, आईसीएसआई के अध्यक्ष सीएस पवन जी चांडक ने सदस्यों, छात्रों और इस पेशे के लाभ के लिए संस्थान द्वारा शुरू की जा रही विभिन्न नई पहलों की जानकारी दी। उन्होंने पेशेवर क्षमताओं को मजबूत करने, नई तकनीकों को अपनाने और बदलते कॉर्पोरेट परिवेश के लिए कंपनी सचिवों को तैयार करने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया।

इस गरिमामय कार्यक्रम में लगभग 250 सदस्यों और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे रायपुर चैप्टर का 28वां स्थापना दिवस समारोह एक बेहद सफल और यादगार आयोजन बन गया।

शिकायत मिलते ही निगम ने सड़कों के गड्ढों में डब्ल्यूएमएम डालकर किया फिलिंग कार्य

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा ऑनलाइन के माध्यम से प्राप्त नागरिकों की शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में जोन-1 नेहरू नगर क्षेत्र अंतर्गत डॉ. खूबचंद बघेल पार्क मार्ग पर सड़कों में हुए गड्ढों की शिकायत मिलने पर निगम की टीम ने तत्काल कार्रवाई की।

शहर में लगातार हो रही बारिश के कारण डॉ. खूबचंद बघेल पार्क मार्ग की सड़क पर जगह-जगह गड्ढे हो गए थे, जिससे वाहन चालकों एवं राहगीरों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इस संबंध में नागरिकों द्वारा सीएम हेल्पलाइन एवं निदान के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत प्राप्त होते ही जोन-1 नेहरू नगर की टीम मौके पर पहुंची और स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सड़क पर बने गड्ढों को चिन्हांकित कर उनमें डब्ल्यूएमएम डालकर फिलिंग का कार्य कराया गया। इससे सड़क की स्थिति में सुधार हुआ है तथा नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

निगम प्रशासन द्वारा नागरिकों से प्राप्त ऑनलाइन शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जा रहा है। बारिश के दौरान सड़कों, नालियों एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं से संबंधित शिकायतों पर संबंधित जोन की टीमों को मौके पर भेजकर आवश्यक सुधार कार्य कराए जा रहे हैं, ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी आवास योजना बोरियाखुर्द के हितग्राहियों को बकाया राशि जमा करने अंतिम अवसर

■ चार समान किस्तों में अगस्त से नवम्बर 2026 तक बकाया राशि जमा करने की सुविधा

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर विकास प्राधिकरण द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी आवास योजना, बोरियाखुर्द में निम्न आय वर्ग के हितग्राहियों के लिए 16 वर्ष पूर्व फ्लैट्स का निर्माण किया गया था, जिनके द्वारा किस्तों की राशि का नियमित भुगतान नहीं करने के कारण वर्तमान में लगभग 17 करोड़ रूपये बकाया राशि हो चुकी है।

योजना की अधोसंरचना एवं रख-रखाव की वर्तमान स्थिति को देखते हुए प्राधिकरण द्वारा बकायादार हितग्राहियों को अंतिम नोटिस जारी किया गया है। प्राधिकरण ने सभी बकायादार हितग्राहियों से अपील की है कि वे अपने फ्लैट की बकाया राशि का निर्धारित अवधि में भुगतान सुनिश्चित करें।

रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री नन्द कुमार साहू एवं उपध्यक्ष डॉ. जे.पी शर्मा द्वारा हितग्राहियों की समस्याओं एवं बकाया राशि के संबंध में उनके प्रतिनिधि मंडल के साथ चर्चा की गई। हितग्राहियों की सुविधा एवं जनहित को ध्यान में रखते हुए प्राधिकरण द्वारा बकाया राशि के भुगतान के लिए चार समान किस्तों में राशि जमा करने की सुविधा प्रदान की गई है। इसके अंतर्गत बकाया राशि की किस्तें अगस्त, सितंबर, अक्टूबर एवं नवम्बर 2026 में जमा करने की सुविधा दी गई है। जिसके पश्चात् कुछ हितग्राहियों द्वारा राशि जमा की जा रही है।

समक्ष भेंट में हुई चर्चानुसार हितग्राहियों के साथ इस बात की सहमति बनी है कि उनके द्वारा निर्धारित चार समान किस्तों में से प्रथम एवं द्वितीय किस्त का भुगतान कर दिए जाने के पश्चात उसे पात्र हितग्राही मान कर सरचार्ज/बकाया राशि के संबंध में नियमानुसार आवश्यक निर्णय लिया जाएगा।

बाल समुन्द जलाशय मे होगा बाढ़ आपदा बचाव पर मॉक एक्सरसाइज का आयोजन

■ कलेक्टर ने सभी आवश्यक तैयारी सुनिश्चित करने के दिये निर्देश

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देश पर बाढ़ आपदा से बचाव पर जिला स्तरीय मॉक एक्सरसाइज 20 अगस्त 2026 को पलारी स्थित बाल समुन्द जलाशय मे किया जाएगा। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने समय - सीमा की बैठक मे मॉक एक्सरसाइज की तैयारी की समीक्षा करते हुए सभी सम्बंधित विभाग के अधिकारियो को आवश्यक तैयारी के साथ मौके पर उपस्थित रहने के निर्देश दिये।

मॉक एक्सरसाइज प्रात: 9 बजे से बाल समुन्द जलाशय मे शुरू होगा जिसमें पुलिस, राजस्व, जिला सेनानी, जल संसाधन, जनसम्पर्क, स्वास्थ्य, लोक निर्माण, विद्युत, खाद्य, पीएचई, परिवहन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, औद्योगिक सुरक्षा, कोषालय, कृषि, पशु चिकित्सा एवं दूरसंचार विभग के अधिकारी शामिल होंगे। मॉक ड्रिल आयोजन हेतु अपर कलेक्टर ए.आर. टंडन को जिला इंसिडेंट कमांडर,सभी एसडीएम को अनुविभाग इंसिडेंट कमांडर बनाए गए हैं। कलेक्टर श्री शर्मा ने स्वामित्व योजना अंतर्गत तहसील टुण्डरा एवं कसडोल द्वारा स्वामित्व कार्ड वितरण पूर्ण करने वाला पहला तहसील बनने पर सरहना करते हुए अन्य तहसीलो को अगले 25 दिन मे स्वामित्त्व कार्ड वितरण पूर्ण कराने के निर्देश दिये।उन्होंने बताया कि स्वामित्व कार्ड वितरण मे बलौदाबाजार भाटापारा जिला प्रदेश मे दूसरा स्थान पर है। उन्होंने सुघ्घर छत्तीसगढ़ अभियान अंतर्गत योजनाओं के संतृप्तिकरण हेतु जिले के सभी ग्राम पंचायतों मे आगामी 20 अगस्त से लगने वाले शिविरकी तैयारी के सम्बन्ध मे आवश्यक निर्देश दिये।

भाजपा के आंगन में ताकझाँक करने की लत छोड़ें बैज : भाजपा

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता डॉ. किरण बघेल ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के बयान पर तीखा पलटवार करते हुए कहा है कि बैज भाजपा के आंतरिक मामलों में ताकझाँक करने की अपनी लत छोड़ें और अपनी पार्टी की गिरती साख की चिंता करें। श्रीमती बघेल ने कहा कि भाजपा एक लोकतांत्रिक, सुगठित और कार्यकर्ता-आधारित दल है, जहाँ संगठन में दायित्व-परिवर्तन एक स्वाभाविक व सतत प्रक्रिया है। इसे कांग्रेसी चश्मे और गुटबाजी की मानसिकता से देखना बंद करें।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. (श्रीमती) बघेल ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अपने पूरे कार्यकाल में अंदरूनी गुटबाजी और सिर-फुटौव्वल के चलते आज तक अपनी पूरी प्रदेश कार्यकारिणी तक गठित नहीं कर पाए हैं। जो नेता अपने ही संगठन को संभाल पाने में नाकाम साबित हुआ हो, उसकी राजनीतिक कुण्ठा समझी जा सकती है। ऐसी हताशा में भाजपा के संगठनात्मक ढाँचे औरट्ट दायित्व-परिवर्तन पर अनर्गल व कपोल-कल्पित बातें करना बैज को कतई शोभा नहीं देता। श्रीमती बघेल ने तंज कसते हुए कहा कि बैज को भाजपा की चिंता करने के बजाय अपनी पार्टी में झाँकना चाहिए।

स्कूलों में शिक्षकों की कमी और सुविधाओं के आभाव में पढ़ाई प्रभावित बच्चे आंदोलन को बाध्य : कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश की बदहाल शिक्षा व्यवस्था से बच्चे परेशान होकर आंदोलन कर रहे है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि प्रदेश के स्कूलों में शिक्षक नहीं होने के कारण, भवन नहीं होने के कारण पढ़ाई प्रभावित हो रही है। बच्चे शिक्षकों की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन करने को मजबूर है। धमतरी के बारना स्कूल में पांच विषय के शिक्षक नहीं होने के कारण छात्राओं ने स्कूल में ताला लगा कर आंदोलन कर रही है। बालोद के झिरिया टोला में भी बच्चे शिक्षक की मांग को लेकर प्रदर्शन कर चुके है। धमधा में स्कूल भवन की मांग को लेकर बच्चे विरोध कर रहे। पूरे प्रदेश में स्कूलों में किताबें और शिक्षक की कमी से पढ़ाई प्रभावित हो रही है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि स्कूल खुले तीन महिने हो गये, लेकिन स्कूलों में शिक्षकों की कमी और पढ़ाई नहीं होने के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

सफायर ग्रीन क्लब हाउस में हर्षोल्लास से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

रायपुर (विश्व परिवार)। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सफायर ग्रीन क्लब हाउस के बाहर शानदार एवं उमंग से भरा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में देशभक्ति का माहौल देखने को मिला।

कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण के साथ हुई। इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष श्री महेंद्र बापना, वर्तमान अध्यक्ष श्री हरित गोयल, सचिव आचार्य जी, प्लॉट सोसाइटी के अध्यक्ष श्री अनुराग पांडे एवं श्रीमती तुलिका पांडे जी,के,भटनागर ,कौशल चौधरी ने अपने उद्बोधन में देश की एकता, अखंडता एवं स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद किया। कार्यक्रम की मुख्य आकर्षण बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम रहे। देशभक्ति गीत, नृत्य एवं नाटकों ने सभी उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।

बच्चों की प्रस्तुतियों की सभी ने सराहना की। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री विकास शुक्ला द्वारा किया गया। उनके कुशल संचालन से कार्यक्रम में चार चांद लग गए। कार्यक्रम के पश्चात सभी उपस्थित जनों के लिए स्वादिष्ट जलपान की व्यवस्था की गई थी, जिसकी सभी ने सराहना की। कार्यक्रम में सोसाइटी के सभी सदस्य एवं बड़ी संख्या में परिवारजन उपस्थित रहे।

बकाया राशि जमा नहीं करने वालों की दुकानों में जड़ा ताला

रायपुर (विश्व परिवार)। जोन क्रमांक 10 के अंतर्गत् आयुक्त महोदय, अपर आयुक्त महोदय, उपायुक्त महोदया, जोन आयुक्त महोदय के निर्देशानुसार आज दिनांक 18.08.2026 को कई वर्षों से बकाया राशि जमा नहीं करने वाले बड़े बकायादारों को डिमांड बिल, डिमांड नोटिस जारी करने के उपरांत भी आज दिनांक तक संपत्तिकर (टैक्स) जोन कार्यालय में जमा नहीं करने के कारण शक्ति से कार्यवाही करते हुए व्यावसायिक परिसरो को ताला लगाकर सीलबंद की कार्यवाही की गई जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

स.क्र. वार्ड का नाम व क्रमांक GIS ID, कार्यवाही की गई संपत्ति का विवरण, राशि, वसूली, पं. विद्यावरण शुक्ल वार्ड क्र.50, RPR446K00133, ANITA KUKREJA, 44690, सीलबंदी की कार्यवाही की गई। पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड क्र.50, 2, RPR446S00717, SARITA BAJPAYI, 320316, सीलबंदी की कार्यवाही की गई। विद्याचरण शुक्ल वार्ड क्र. 50, 3, RPR446500702, कुल, SARITA TIWARI, 74726 74726, 439732 74726, रिमार्क, सिलिंग की कार्यवाही के दौरान टैक्स पेमेंट किया गया। सहायक राजस्व अधिकारी जोन क्रमांक 10 नगर पालिक निगम, रायपुर।

23 अगस्त को शिवभक्ति के विराट जनसैलाब का साक्षी बनेगा रायपुर

■ 10 हजार कांवड़िये करेंगे बाबा हटकेश्वरनाथ का जलाभिषेक

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर एक बार फिर आस्था, अध्यात्म, संस्कृति और शिवभक्ति के विराट संगम का साक्षी बनने जा रही है। रायपुर पश्चिम के विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेश मूणत के नेतृत्व में लगातार आठवें वर्ष आयोजित होने वाली विशाल कांवड़ यात्रा 23 अगस्त को प्रात: 9 बजे मारुति मंगलम, गुढ़ियारी से प्रारंभ होकर महादेव घाट स्थित बाबा हटकेश्वरनाथ महादेव मंदिर पहुंचेगी। मारुति मंगलम में दिव्य शिवाभिषेक विधिविधान पूर्वक से प्रारंभ होगा।

कांवड़ यात्रा को इस वर्ष और अधिक व्यापक एवं भव्य स्वरूप प्रदान करने तथा तैयारियों को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से आज एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी रायपुर शहर जिला की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधायक राजेश मूणत सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों तथा विभिन्न मोर्चा-प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों ने यात्रा की व्यवस्थाओं और व्यापक जनसहभागिता को लेकर विस्तार से चर्चा की।

सुबह 8 बजे से पूजन, 9 बजे उठेगी कांवड़

विशाल कांवड़ यात्रा के दिन 23 अगस्त को प्रात: 8 बजे से मारुति मंगलम, गुढ़ियारी में विधि-विधान से पूजा-अर्चना प्रारंभ होगी। पूजन के पश्चात प्रात: 9 बजे हजारों शिवभक्त कांवड़ उठाकर 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के जयघोष के साथ महादेव घाट स्थित बाबा हटकेश्वरनाथ महादेव मंदिर के लिए प्रस्थान करेंगे।

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी करीब 10 हजार कांवड़ियों के यात्रा में सम्मिलित होने की तैयारी की गई है। कांवड़िये एक समान परिधान धारण कर अनुशासित रूप से यात्रा में शामिल होंगे और बाबा हटकेश्वरनाथ महादेव का जलाभिषेक कर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की मंगलकामना करेंगे।

500 वालंटियर संभालेंगे विशाल आयोजन की व्यवस्था

हजारों श्रद्धालुओं की सहभागिता को देखते हुए आयोजन को सुव्यवस्थित और अनुशासित रूप से संपन्न कराने के लिए लगभग 500 वालंटियर विभिन्न व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभालेंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा, यात्रा संचालन, अनुशासन एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए अलग-अलग जिम्मेदारियां निर्धारित की जा रही हैं। कांवड़ यात्रा की तैयारियां लगभग पूर्ण हो चुकी हैं और अब संगठन द्वारा अंतिम व्यवस्थाओं को मूर्त रूप दिया जा रहा है। इस वर्ष विशाल कांवड़ यात्रा का स्वरूप और भी आकर्षक होगा। यात्रा में देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले धार्मिक एवं सांस्कृतिक दल अपनी विशिष्ट प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति की विविधता के बीच शिवभक्ति की एकता का अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करेंगे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना
ई-टेंडर नोटिस नं./TRS-BIA-26-27-RWL-20
कार्य का नामः- लोको वर्षा जल रिसाव परीक्षण व्यवस्था का विस्तार पंप और नोजल के साथ।
काम की लागत- रूपये 8,35,800/- (आठ लाख पैंतीस हजार आठ सौ रूपये मात्र), **बोली सुरक्षा/ बयाना राशि जमाः-** रूपये 16,800/- (सालह हजार आठ सौ रूपये मात्र) **कार्य की पूर्णता अवधिः** स्वीकृति पत्र जारी होने की तारीख से 04 माह। **निविदा समाप्ति की तिथि और समय- 07.09.2026** को **12:30** बजे।
वेबसाइट विवरण और निविदा के विवरण यहां देखे जा सकते हैं: http:// www.ireps.gov.in
वरि.म.वि. अभियंता (क.च.स्टा.)
पीआर/आर/टीआरएस/बीआईई)/एएन/174 द.पू.म.रेलवे, भिलाई
South East Central Railway @secrail

अग्निवीर थलसेना भर्ती हेतु नि:शुल्क शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण

बलौदाबाजार। भारतीय अग्निवीर थलसेना भर्ती में आंनलाईन परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यार्थियों के लिए जिला रोजगार कार्यालय बलौदाबाजार द्वारा नि:शुल्क शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के वे आवेदक जिन्होने अग्निवीर की आंनलाईन परीक्षा उत्तीर्ण की है और उक्त प्रशिक्षण में भाग लेना चाहते है। इच्छुक आवेदक 25 अगस्त 2026 तक अग्निवीर थलसेना के ऑनलाईन पंजीयन फार्म एवं आधार कार्ड के साथ जिला रोजगार कार्यालय बलौदाबाजार में उपस्थित होकर अपना नाम दर्ज करा सकते है। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय के दूरभाष नम्बर 07727-299443 पर सम्पर्क कर सकते है।

CHHATTISGARH STATE POWER DISTRIBUTION CO. LTD.
(A GOVERNMENT OF CHHATTISGARH UNDERTAKING) (A SUCCESSOR COMPANY OF CSEB)
OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER, (CC-I), RAIPUR. Website - www.cseb.gov.in
Office Mail ID – secc.raipur@cspc.co.in Phone No. 0771-2574800, 2574801 Fax No. 0771-2574805
NOTICE INVITING TENDER THROGU E-BIDDING
E-tenders are invited against below tenders of following work:-

S. N.	Tender No.	Name of work	Value of contract (Without GST)	EMD Amount (online)	Last date & Time of submission of bids	Due date of Opening
1	TR-2026_56 Dt.18.08.2026 RFX No. 8100053779	Awarding contract for engagement of **01 Nos.** Stenographer and 01 Nos. Peon under City Circle-I, CSPDCL Raipur, the period of contract will be for **2 year** on the monthly rate basis. The CSPDCL reserves the right to terminate the of contract period/order on 1 month advance notice basis.	**7,47,912/-**	**7479/-**	Dt. 07.09.2026 upto 02:30 PM	Dt. 07.09.2026 upto 03:00 PM

Details of Tender, Technical Specifications, Terms and Conditions etc are available on our website www.cseb.gov.in, www.cspdcl.co.in and **e-bidding http:/cijsrp.cspdcl.co.in**The Tender document can also be downloaded from CSPDCL's official website mentioned above. The cost of required Tender fee (which is not refundable) of **Rs. 2000/-** including GST and EMD for each tender may be deposited by online through e-bidding.
SAVE ELECTRICITY Samvad- 48789/2
Superintending Engineer
City Circle-I, CSPDCL: Raipur

नवागढ़ में पत्रकारों का राष्ट्रीय समागम, सत्य और निर्भीक पत्रकारिता पर जोर

अरहनाथ स्वामी का विश्व में एकमात्र अतिशय क्षेत्र है नवागढ़ : जय निशांत जी

नवागढ़ (विश्व परिवार)। ललितपुर जिले के अंतिम छोर पर टीकमगढ़ जिले की सीमा से सटे प्राचीन अतिशय क्षेत्र नवागढ़ में 16 अगस्त को राष्ट्रीय पत्रकार सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे पत्रकारों ने नवागढ़ की ऐतिहासिक, धार्मिक एवं पुरातात्विक विरासत को करीब से जाना और इसे समाचार पत्रों, न्यूज चैनलों एवं डिजिटल मीडिया के माध्यम से देश-दुनिया के सामने लाने का संकल्प लिया।

संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के मुनि श्री 108 सरल सागर जी के शिष्य तपस्वी मुनि श्री 108 मंगलानंद सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में आयोजित सम्मेलन का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा चित्र अनावरण, दीप प्रज्ज्वलन एवं मंगलाचरण के साथ किया गया। अतिथियों ने मुनिश्री को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

सम्मेलन की अध्यक्षता भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री प्रदीप जैन आदित्य ने की। दैनिक विश्व परिवार के प्रधान संपादक श्री प्रदीप जैन रायपुर मुख्य अतिथि रहे। भारतवर्षीय दिगंबर जैन परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री एवं पूर्व विधायक श्री सुनील जैन सागर, नीति आयोग की सदस्य श्रीमती अर्चना सुनील जैन तथा टीकमगढ़ विधायक श्री यादवेंद्र सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन क्षेत्र के महामंत्री श्री वीरचंद्र नेकौरा ने किया।

अरहनाथ स्वामी का विश्व में एकमात्र अतिशय क्षेत्र : जय निशांत जी

नवागढ़ तीर्थ क्षेत्र के निर्देशक, प्रतिष्ठाचार्य शिरोमणि बाल ब्रह्मचारी जयकुमार निशांत भैया ने नवागढ़ की प्राचीनता और ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नवागढ़ भगवान अरहनाथ स्वामी का विश्व में एकमात्र ऐसा अतिशय क्षेत्र है, जहां लाखों वर्ष प्राचीन पुरातात्विक अवशेष, संत शैलाश्रय, रॉक आर्ट शैलचित्र तथा सातवीं सदी के प्राचीन भौंयरे में विराजमान जैन धर्म के 18वें तीर्थंकर भगवान अरहनाथ स्वामी का अतिशयकारी एवं मनोज्ञ बिंब मौजूद है।

उन्होंने बताया कि नवागढ़ में जैन संस्कृति से जुड़े हजारों वर्ष पुराने साक्ष्य मौजूद हैं। यहां संत साधना, धार्मिक परंपराओं और श्रावकों को संस्कारित करने के अनेक आयाम स्थापित हुए हैं। वर्तमान में नवागढ़ गुरुकुलम एवं गौशाला का भी संचालन किया जा रहा है।

ब्रह्मचारी जय निशांत ने कहा कि नवागढ़ के इतिहास में गुप्तकाल, प्रतिहारकाल एवं चंदेलकाल की अनेक महत्वपूर्ण कड़ियां छिपी हुई हैं। प्राचीन नंदपुर के रूप में नवागढ़ का उल्लेख विभिन्न ऐतिहासिक एवं धार्मिक संदर्भों में मिलता है। चंदेल शासक मदनवर्मन द्वारा मदनपुर, अहार के साथ नवागढ़ में भी मंदिर निर्माण कराए जाने की जानकारी उन्होंने दी। उन्होंने चंदेल शासक यशोवर्मन के जैन धर्म से जुड़ाव का भी उल्लेख किया।

प्रसन्न नवागढ़ के विध्वंस और प्राचीन भौंयरे का इतिहास

वक्ताओं ने बताया कि 12वीं सदी में चंदेल शासक परमाल के समय आल्हा-ऊदल एवं दिल्ली के शासक पृथ्वीराज चौहान के बीच हुए युद्ध में महोबा, मदनपुर, दूधही एवं चांदपुर के साथ नवागढ़ को भी विध्वंस का सामना करना पड़ा।

नवागढ़ के सातवीं सदी के प्राचीन भौंयरे का अन्वेषण पंडित गुलाबचंद पुष्प ने वर्ष 1959 में किया था। यहां भगवान अरहनाथ स्वामी की अतिशयकारी प्रतिमा प्राप्त हुई, जिसके प्रति जैन एवं अजैन समाज के लोगों की गहरी आस्था जुड़ी हुई है। आज भी आसपास के ग्रामीण अपनी मनोकामना लेकर नवागढ़ पहुंचते हैं।

विधायक यादवेंद्र सिंह ने कहा—मीडिया, प्रशासन और नेतृत्व मिलकर करें विकास

टीकमगढ़ विधायक श्री यादवेंद्र सिंह ने कहा कि नवागढ़ से उनका संबंध वर्ष 1985 से है। यहां आयोजित गजरथ महोत्सव में पंडित गुलाबचंद जी पुष्प के सानिध्य में शामिल होने का उन्हें सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि ब्रह्मचारी निशांत भैया समय-समय पर उन्हें नवागढ़ के कार्यक्रमों में आने का अवसर देते हैं और भगवान का आशीर्वाद प्राप्त कर उन्हें अभूतपूर्व शांति मिलती है।

उन्होंने कहा कि मीडिया, प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों को आपसी सद्भाव के साथ नवागढ़ की उन्नति के विशेष आयामों पर विचार कर उनके क्रियान्वयन की दिशा में कार्य करना चाहिए, जिससे भारतीय संस्कृति के इस महत्वपूर्ण केंद्र का राष्ट्रीय स्तर पर प्रचार-प्रसार हो सके।

प्रदीप जैन आदित्य ने कहा- निर्भीक एवं निष्पक्ष पत्रकारिता समय की आवश्यकता

सम्मेलन अध्यक्ष पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री प्रदीप जैन आदित्य ने कहा कि पत्रकारों को निष्ठा एवं सजगता के साथ कार्य करना चाहिए। शासन-प्रशासन से भयभीत हुए बिना निष्पक्ष पत्रकारिता करना पत्रकारों का दायित्व है। उन्होंने कहा कि पत्रकार भारतीय संस्कृति, इतिहास एवं सामाजिक परिवेश के उन्नयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

डिजिटल मीडिया के माध्यम से जिनवाणी को घर-घर पहुंचाने का आह्वान- प्रदीप जैन

मुख्य अतिथि श्री प्रदीप जैन रायपुर ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता को लगभग 200 वर्ष की गौरवपूर्ण यात्रा पूरी हो चुकी है और आज पत्रकारिता एक नए दौर में प्रवेश कर चुकी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल मीडिया की भूमिका तेजी से बढ़ी है और हमें इसे सकारात्मक रूप से अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर जैन धर्म के विचार, भगवान महावीर के सिद्धांत, अहिंसा का संदेश और जिनवाणी को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जा सकता है। पत्रकारिता के पारंपरिक स्वरूप के साथ आधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म का समन्वय करते हुए समाज और धर्म की सकारात्मक विचारधारा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता है।

अनेकांत सिद्धांत से सामाजिक विवादों का समाधान संभव : सुधाकर पांडे

सौजना थाना प्रभारी सुधाकर पांडे ने कहा कि जैन धर्म अनेकांत सिद्धांत पर चलने वाला धर्म है। यदि हम अपने जीवन में जैन दर्शन के सिद्धांतों को अपनाएं तो आपसी झगड़ों, सामाजिक विवादों एवं वैमनस्य को सहजता से संभाला जा सकता है।

पूर्व विधायक एवं भारतवर्षीय दिगंबर जैन परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री श्री सुनील जैन ने कहा कि वर्तमान परिवेश मीडिया के लिए चुनौतीपूर्ण है। पत्रकारों और समाज के श्रेष्ठी वर्ग को सजगता से कार्य करते हुए भ्रामक परिस्थितियों से समाज को बचाने का प्रयास करना चाहिए। पत्रकार निर्भीक होकर अपनी लेखनी का उपयोग करें और समाज तथा राष्ट्र के गौरव को बढ़ाने में योगदान दें।

उन्होंने कहा कि पत्रकार और पुलिस दोनों का कर्तव्य है कि समाज में होने वाली विकृतियों को दूर कर सद्भावना स्थापित करने में योगदान दें। उन्होंने अपने स्तर से हरसंभव सहयोग का संकल्प व्यक्त किया।

गुरुकुलम कर रहा संस्कार और शिक्षा का कार्य

नवागढ़ में पंडित गुलाबचंद पुष्प की स्मृति में संचालित गुरुकुलम की भी सम्मेलन में सराहना की गई। गुरुकुलम में विपन्न एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को अंग्रेजी माध्यम से निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने के साथ भारतीय संस्कृति, इतिहास, ज्योतिष एवं वास्तु आदि का ज्ञान दिया जा रहा है। वक्ताओं ने समाज से गुरुकुलम के इस कार्य में पूर्ण सहयोग की अपील की।

देशभर से पहुंचे पत्रकार

सम्मेलन में मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, दिल्ली सहित विभिन्न क्षेत्रों से पत्रकार एवं मीडिया प्रतिनिधि पहुंचे। इनमें श्रीमती निधि जैन, प्रबंध संपादक दैनिक आचरण सागर, आईजा प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट राजीव जैन सेनानी, आईसना प्रदेश अध्यक्ष नवनीत जैन छतरपुर, नवनीत बंटी छतरपुर, नवनीत जैन छतरपुर, संजय ताम्रकार प्रधान संपादक 'सत्ता सरकार' ललितपुर, अतिशय जैन संपादक 'दैनिक विश्व परिवार' झांसी, नरेंद्र जैन 'जनता' टीकमगढ़, सुधाकर पांडे थाना प्रभारी सौजना, अभय मिंकु भगवा, बी.डी. अनुरागी, महेंद्र विश्वकर्मा, मुकेश गौतम, बृजेश रैकवार, संतोष श्रीवास छतरपुर, विजय सिंह सेगर, प्रियंक सर्राफ, अभय प्रताप सिंह, इमरान खान, सतीश नायक, जितेंद्र कुमार मड़ावरा, महेंद्र सिंह, राजा राम सिंह सौजना, विशाल जैन तालबेहट, राकेश जैन पवा, दिव्यांश ताम्रकार ललितपुर, रमेश जैन गढ़ा छतरपुर, शैलेश जैन पिंटू, अनंत सर्राफ, शैलेंद्र जैन एबीपी न्यूज ललितपुर, राकेश जैन तालबेहट, अजय कांत जैन घुवारा, संजीव जैन बड़ा मलहरा, राजेश फणींद्र ईटीवी बड़ागांव, प्रभात जैन बड़ागांव सहित अनेक पत्रकार प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पत्रकारों ने किया नवागढ़ तीर्थ का भ्रमण

सम्मेलन के दौरान पत्रकारों ने नवागढ़ तीर्थ क्षेत्र का विस्तृत भ्रमण किया और प्राचीन धार्मिक, ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थलों का अवलोकन किया। पत्रकारों ने प्राचीन शिलालेखों, कलाकृतियों, शैलचित्रों, पाषाणकालीन अवशेषों तथा संत साधना से जुड़े स्थलों की जानकारी प्राप्त की।

क्षेत्र में अरहनाथ भगवान की प्राचीन प्रतिमा से जुड़ी धार्मिक मान्यताओं, इमली के पेड़ से लेकर भौंयरे और मंदिर तक की जनश्रुतियों के बारे में भी जानकारी दी गई। पत्रकारों ने महसूस किया कि नवागढ़ की विरासत को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की व्यापक संभावनाएं हैं।

सभी पत्रकारों ने संकल्प लिया कि नवागढ़ की धार्मिक, ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक विरासत को अपने-अपने समाचार पत्रों, न्यूज चैनलों और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से देश-दुनिया तक पहुंचाया जाएगा।

मुनि श्री मंगल सागर महाराज ने कहा-अभी कई आयाम सामने आना बाकी

मुनि श्री मंगल सागर महाराज ने कहा कि नवागढ़ ने जैन इतिहास के न जाने कितने आयामों को संरक्षित कर रखा है। अभी इसका केवल एक हिस्सा सामने आया है, जबकि अनेक महत्वपूर्ण आयामों का उद्घाटन होना शेष है।

उन्होंने नवागढ़ को प्राचीन नंदपुर बताते हुए कहा कि चंदेल शासनकाल में यह संत साधना, शिक्षण-प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र रहा। उन्होंने पत्रकारों से नवागढ़ के इतिहास का पुनर्मूल्यांकन करते हुए इसके संरक्षण एवं उन्नयन में सहभागिता करने का आह्वान किया।

मुनि श्री मंगलानंद सागर महाराज ने कहा कि नवागढ़ निश्चित रूप से बहुत बड़ी धरोहर रहा है। आज भी यहां जैन संस्कृति, इतिहास और पुरातत्व से जुड़े अनेक साक्ष्य मौजूद हैं। भारतीयता पर गर्व करते हुए यहां संरक्षित शिल्प एवं धरोहर के माध्यम से नवागढ़ के गौरव को बढ़ाना सभी का दायित्व है।

विकास के प्रयासों को मिली सराहना

वक्ताओं ने कहा कि पंडित गुलाबचंद पुष्प के बाद उनकी धरोहर को ब्रह्मचारी जय निशांत भैया ने तत्परता से संभालते हुए तन-मन-धन और समर्पण के साथ नवागढ़ के विकास को आगे बढ़ाया है। क्षेत्र में हो रहा क्रमबद्ध विकास सभी के लिए प्रेरणादायी है।

राष्ट्रीय पत्रकार सम्मेलन को इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना गया। आवश्यकता जताई गई कि नवागढ़ की धार्मिक एवं पुरातात्विक धरोहर को संरक्षित करते हुए इसे देश-दुनिया के पर्यटन, संस्कृति एवं शोध के मानचित्र पर उचित स्थान दिलाया जाए।

विशेष उपाधियों से किया सम्मान

ऑल इंडिया जैन जर्नलिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट राजीव जैन सेनानी ने प्रतिष्ठाचार्य ब्रह्मचारी जयकुमार निशांत भैया को 'तीर्थ रक्षक', पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री प्रदीप जैन आदित्य को 'समाज रत्न', पूर्व विधायक श्री सुनील जैन को 'युवा रत्न' तथा सम्मेलन के मीडिया प्रभारी श्री भारत सेठ घुवारा को 'आईजा रत्न' की उपाधि प्रदान कर उनका बहुमान किया।

सम्मेलन के मुख्य संयोजक श्री कमल जैन 'लोकपथ' झांसी एवं श्री भारत सेठ घुवारा ने नवागढ़ समिति, नवागढ़ गुरुकुलम एवं चातुर्मास समिति की ओर से सभी अतिथियों और पत्रकारों का स्वागत किया। कार्यक्रम के समापन पर मंत्री श्री अशोक जी ने सभी का आभार व्यक्त किया और वात्सल्य भोज में शामिल होने का अनुरोध किया।

राष्ट्रीय पत्रकार सम्मेलन ने नवागढ़ की धार्मिक, ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक विरासत को देश-दुनिया के सामने लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में अपनी पहचान बनाई। अब जरूरत इस बात की है कि इस प्राचीन धरोहर के संरक्षण, शोध, प्रचार-प्रसार और विकास के लिए शासन, प्रशासन, समाज एवं मीडिया मिलकर ठोस प्रयास करें।

पत्रकार निर्भीक होकर अपनी लेखनी का उपयोग करें : सुनील जैन

वर्तमान परिवेश में मीडिया के सामने अनेक चुनौतियां हैं और पत्रकारिता का वातावरण भी प्रभावित हो रहा है। ऐसे समय में पत्रकारों एवं समाज के श्रेष्ठी वर्ग को सजगता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए समाज को भ्रामक सूचनाओं एवं परिस्थितियों से बचाने का प्रयास करना चाहिए। पत्रकार निर्भीक होकर अपनी लेखनी का उपयोग करें, क्योंकि उनके श्रम और सत्यनिष्ठ पत्रकारिता का मूल्यांकन अवश्य होगा। उन्होंने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति के बढ़ते प्रभाव के दौर में हमारी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। हमें अपनी संस्कृति, समाज और राष्ट्र के गौरव को बढ़ाने के लिए सजगता एवं सकारात्मक सोच के साथ कार्य करना चाहिए।

अर्चना जैन ने शाकाहार, अहिंसा एवं जीवदया का दिया संदेश

नीति आयोग की सदस्य श्रीमती अर्चना सुनील जैन ने कहा कि शासन का सहयोग लेकर जैन धर्म के सिद्धांतों को समाज में प्रतिपादित करते हुए क्षेत्र के विकास को गति दी जा सकती है। उन्होंने शाकाहार, अहिंसा, मूक पशुओं की चिकित्सा एवं उनके भरण-पोषण की जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया।

उन्होंने नवागढ़ गुरुकुलम के प्रतिभाशाली एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष पुरस्कार दिए जाने की आवश्यकता बताई, ताकि उनमें अनुशासन एवं शिक्षा के प्रति रुचि बढ़े।

समस्त
प्रदेश वासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ
गोपाल सिंह विद्रोही
वरिष्ठ पत्रकार एवं ब्यूरो चीफ
विश्व परिवार- जिला सूरजपुर
अमन सिंह
कु. श्रेया सिंह
श्रीमती राखी सिंह

समस्त प्रदेश वासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ
1-ग्राम पंचायत आपका है इसे अपने घर की तरह साफ सुथरा बनाए रखें।
2-ग्राम पंचायत के किसी भी क्षेत्र के नाली में जल जमाव न होने दे मच्छर पनपता है जो मलेरिया का जड़ है।
3-अपने घर-गांव को हरा-भरा रखें यह तभी संभव है जब सभी अपने माता-पिता के नाम वृक्ष लगाए और बचाए
पुनीत सिंह
सरपंच
अनेश टोप्पो
सचिव
समस्त पंचगण एवं ग्रामवासीग्राम पंचायत कुरुवा जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़

समस्तप्रदेश वासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ
1-ग्राम पंचायत आपका है इसे अपने घर की तरह साफ सुथरा बनाए रखें।
2-ग्राम पंचायत के किसी भी क्षेत्र के नाली में जल जमाव न होने दे मच्छर पनपता है जो मलेरिया का जड़ है।
3-अपने घर-गांव को हरा-भरा रखें यह तभी संभव है जब सभी अपने माता-पिता के नाम वृक्ष लगाए और बचाए
राजकुमार सिंह
सरपंच
विजय कुमार
सचिव
समस्त पंचगण एवं ग्रामवासीग्राम पंचायत केशवनगर जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़

समस्त प्रदेश वासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ
1-ग्राम पंचायत आपका है इसे अपने घर की तरह साफ सुथरा बनाए रखें।
2-ग्राम पंचायत के किसी भी क्षेत्र के नाली में जल जमाव न होने दे मच्छर पनपता है जो मलेरिया का जड़ है।
3-अपने घर-गांव को हरा-भरा रखें यह तभी संभव है जब सभी अपने माता-पिता के नाम वृक्ष लगाए और बचाए
तिलेश्वर सिंह
सरपंच
नरेंद्र तिवारी
सचिव
समस्त पंचगण एवं ग्रामवासीग्राम पंचायत कनकपुर

समस्त प्रदेश वासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ
1-ग्राम पंचायत आपका है इसे अपने घर की तरह साफ सुथरा बनाए रखें।
2-ग्राम पंचायत के किसी भी क्षेत्र के नाली में जल जमाव न होने दे मच्छर पनपता है जो मलेरिया का जड़ है।
3-अपने घर-गांव को हरा-भरा रखें यह तभी संभव है जब सभी अपने माता-पिता के नाम वृक्ष लगाए और बचाए
जीवंती अगरिया
सरपंच
नार सिंह
सचिव
समस्त पंचगण एवं ग्रामवासीग्राम पंचायत कैलाशपुर जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़

80 वाँ
स्वतंत्रता दिवस, नागपंचमी एवं
रक्षाबंधन की समस्त क्षेत्रवासियों को
बहुत बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं
योगेश पटेल
पुलिस अधीक्षक
सुनील सिंह प्रभारी पुलिस चौकी -लटोरी

स्वतंत्रता दिवस के 80 बाँ
राष्ट्रीय महापर्व एवं
रक्षाबंधन की नगर वासियों
को ढेरों शुभकामनाएं एवं बधाई
अंशुल गोयल
उपाध्यक्ष
रितेश जायसवाल
अध्यक्ष
समस्त पार्षद गण- नगर पंचायत शिवनंदनपुर
जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़

समस्त प्रदेश वासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ
अरुणा सिंह
सरपंच
वीरेंद्र प्रताप सिंह
(सचिव)
सज्जाद खान
(उपसरपंच)
समस्त पंचगण एवं ग्रामवासीग्राम पंचायत कुंजनगर जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़